दैनिक

पुष्पांजली टुडे

नई सोच नई पहल

वर्ष 03 : अंक : 294 | ग्वालियर, शुक्रवार 27 नवम्बर 2020 | pushpanjalitoday@gmail.com | मूल्य : 01, रुपए, पृष्ठ 8

न्यूज़ ट्रैक

श्रीनगर के पास सेना के पेट्रोलिंग दल पर आतंकवादी हमले में दो जवान शहीद

श्रीनगर। गुरुवार को श्रीनगर के बाहरी इलाके में एक त्वरित प्रतिक्रिया टीम पर हुए आतंकवादी हमले में दो सुरक्षा बल के जवान शहीद हो गए। इस हमले तीन आतंकवादियों के शामिल होने की बात सामने आई है। हमले में दो सैनिक भी शहीद हो गए हैं। सेना की ओर से जारी किए गए बयान में बताया गया कि आतंकवादियों ने आज दोपहर श्रीनगर के अबन शाह चौक, एचएमटी, खुसीपोरा में भारतीय सेना की एक त्वरित प्रतिक्रिया टीम पर अंधाधुंध गोलीबारी की। चूंकि यह एक भीड़-भाड़ वाला इलाका था, ऐसे में सैनिकों ने किसी भी नागरिक क्षति से बचने के लिए संयम बरता। इस हमले में दो सैनिक गंभीर रूप से घायल हो गए और उन्हें निकटतम चिकित्सा सुविधा में भेज दिया गया। हालांकि, उन्होंने अपनी चोटों के कारण दम तोड़ दिया। कश्मीर के आईजी विजय कुमार ने समाचार एजेंसी एएनआई को बताया कि यह हमला जैश ने किया है, शाम तक हम समूह की पहचान करेंगे। हथियारबंद आतंकवादी एक कार में भाग गए। संभवतः इनमें से दो पाकिस्तानी और एक स्थानीय हैं। सुरक्षाबलों ने इलाके की घेराबंदी कर दी है और हमलावरों को पकड़ने के लिए तलाशी अभियान शुरू किया है।

कश्मीर में महबूबा मुफ्ती को बड़ा झटका, पीडीपी के तीन नेताओं ने एक साथ दिया इस्तीफा, लगाया यह आरोप

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर में बीते कुछ समय से गुपकार गठबंधन को लेकर काफी सियासी हलचल है। इस बीच पूर्व मुख्यमंत्री महबूबा मुफ्ती की पार्टी पीडीपी को बड़ा झटका लगा है। पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) को उसके तीन नेताओं ने एक साथ अलविदा कह दिया है। पीडीपी नेता धमन भसीन, फलैल सिंह और प्रीतम कोटवाल ने पार्टी से इस्तीफा दिया है। समाचार एजेंसी एएनआई के मुताबिक, धमन भसीन, फेलैल सिंह और प्रीतम कोतवाल ने पार्टी से इस्तीफा देते वक्त एक पत्र भी लिखा, जिसमें कहा गया है- रहस्यमयी, सांप्रदायिक तत्वों ने पार्टी को हाइजैक कर लिया है। ऐसे में हमारे पास पार्टी को छोड़ने के अलावा दूसरा कोई विकल्प नहीं है। इस पत्र में संयुक्त रूप से कहा गया है- हमने अपना राजनीतिक भविष्य दांव पर लगाते हुए पीडीपी की स्थापना के पहले दिन भ्रष्ट और वंशवादी नेशनल कॉन्फ्रेंस का अल्टरनेटिव सेक्युलर विकल्प देने उद्देश्य से पार्टी ज्वाइन किया। दिवंगत मुफ्ती मोहम्मद सईद का भी यह विजन था। मगर मुफ्ती साहब के एजेंडे को त्याग दिया गया और पीडीपी नेशनल कॉन्फ्रेंस की बी टीम बन गई है। इससे पहले 15 नवंबर को पीडीपी के संस्थापक सदस्य मुजफ्फर हुसैन बेग ने पार्टी से इस्तीफा दे दिया था। उन्होंने जम्मू-कश्मीर में जिला विकास परिषद (डीडीसी) चुनाव में सीट बंटवारे में असहमति को लेकर इस्तीफा दिया था। पार्टी सूत्रों ने कहा कि बेग ने पीडीपी संरक्षक महबूबा मुफ्ती को पार्टी छोड़ने के फैसले के बारे में बता दिया है। वह 1998 में पीडीपी की स्थापना के वक्त से पार्टी से जुड़े हुए थे। पार्टी सूत्रों ने बताया कि वह पीपुल्स एलायंस फॉर गुपकर डिक्लेरेशन (पीएजीडी) द्वारा सीट बंटवारे, खासकर उत्तर कश्मीर में सीट बंटवारे को लेकर नाराज हैं।

फोन कॉल केस में फंसे लालू प्रसाद यादव की मुसीबतें बढ़ी

डायरेक्टर बंगले से रिम्स के पेइंग वार्ड में शिफ्ट किए गए

रांची। चारा घोटाले में सजायाफ्ता बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री लालू प्रसाद यादव को एक बार फिर से रिम्स के पेइंग वार्ड में शिफ्ट कर दिया गया है। राष्ट्रीय जनता दल के अध्यक्ष लालू प्रसाद अभी तक रिम्स डायरेक्टर के बंगला में रह रहे थे। माना जा रहा है कि कथित फोन कॉल मामला सामने आने के बाद जेल प्रशासन ने यह कार्रवाई की है। गुरुवार को रिम्स प्रशासन ने लालू को निदेशक बंगले से अस्पताल के पेइंग वार्ड में शिफ्ट करने के संबंध में आदेश जारी किया था। आदेश जारी होते ही पुलिस और प्रशासन के लोग रिम्स डायरेक्टर बंगला पहुंच गए और शाम करीब चार बजे उन्हें पेइंग वार्ड में शिफ्ट कर दिया।

चारा घोटाले के अलग-अलग मामलों में दोषी करार दिए गए लालू रांची के बिरसा मुंडा कारा में बंद थे। बाद में स्वास्थ्य संबंधी शिकायतों के बाद उन्हें रांची स्थित रिम्स में भर्ती किया गया था। वे करीब दो साल से रिम्स में इलाजरत हैं। हालांकि कोरोना महामारी के समय अस्पताल प्रशासन ने उम्र और बीमारी को देखते हुए उन्हें निदेशक बंगला में शिफ्ट कर दिया था। 5 सितंबर को पेइंग वार्ड के जिस कमरा नंबर 11 से लालू प्रसाद को शिफ्ट किया गया था, आज 26 नवंबर को फिर से पेइंग वार्ड के उसी कमरा नंबर 11 में वे पहुंच गए हैं। हाल ही में लालू पर आरोप लगा कि जेल में रहते हुए वे कथित तौर पर फोन का इस्तेमाल कर रहे हैं और बिहार की नवगठित एनडीए सरकार को गिराने के लिए नेताओं और विधायकों को प्रलोभन दे रहे हैं। इस मामले के तुल पकड़ने के बाद यह कार्रवाई की जा रही है। सबसे पहले सुशील मोदी ने लालू पर फोन करने का आरोप लगाया था। इसके बाद जीतन राम मांझी और

मुकेश सहनी ने भी कहा कि उनके पास भी लालू के कॉल आए थे। फोन कॉल मामले पर बिहार की सियासत गरमाई हुई है। इसी बीच झारखंड हाईकोर्ट में एक पीआईएल भी दाखिल की गई है। जेल से फोन का इस्तेमाल करने और सरकार को अस्थित करने के प्रयास का पीआईएल में जिक्र किया गया है। साथ ही लालू के इस गतिविधि को जेल मैनुअल का उल्लंघन बताया गया है। दूसरी तरफ रांची डीसी ने इस मामले में बिरसा मुंडा कारा के जेल अधीक्षक से भी इस मामले में 24 घंटे के अंदर जवाब दाखिल करने को कहा है। दूसरी तरफ, बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री जीतन राम मांझी ने गुरुवार को पत्रकारों से बातचीत के दौरान कहा कि लालू यादव ने उनसे बात करने की कोशिश की थी। हालांकि मैंने बात नहीं की। उन्होंने कहा कि लालू ने मेरे विधायकों को भी प्रलोभन दिया था। मांझी ने पूरे मामले की जांच की मांग की है। हम अध्यक्ष ने कहा कि लालू यादव रांची जेल में बैठकर राजनीति कर रहे हैं। यह एक गलत परंपरा है और हमारी मांग है कि इस पूरे प्रकरण की जांच की जाए।

लालू की यह पुरानी आदत

मांझी ने सुशील मोदी के आरोपों को सत प्रतिशत सही करार दिया और कहा कि मुझे तो प्रोटेम स्पीकर बनने से पहले और बाद भी तरह-तरह के ऑफर मिले थे। उन्होंने कहा कि हमारे लोगों को के पास एनडीए सरकार गिराने के बदले मुख्यमंत्री से लेकर मंत्री पद तक के प्रलोभन दिए गए। मांझी ने कहा कि लालू की इस तरह की राजनीति करने की आदत रही है, लेकिन उनके प्रलोभन में कोई फंसने वाला नहीं है।

लालू की पार्टी को पीठ में खंजर घोंपने की आदत है

विकासशील इंसान पार्टी के अध्यक्ष और बिहार सरकार में पशुपालन व मत्स्य विभाग के मंत्री मुकेश सहनी ने कहा कि उनके पास भी लालू के फोन कॉल आए थे और मुझे जो जवाब देना था, दे दिया। सहनी ने इस बारे में ज्यादा कुछ नहीं बताया। हालांकि यह जरूर कहा कि लालू की पार्टी को पीठ में खंजर घोंपने की आदत है और ये काम मेरे साथ हाल ही किया गया था।

किसानों के दिल्ली कूच को लेकर खट्टर और कैप्टन में छिड़ी ट्विटर वॉर

अगर एमएसपी पर कोई दिक्कत होगी तो मैं राजनीति छोड़ दूंगा

नई दिल्ली। नए कृषि कानूनों पर मचे किसानों के बवाल के बीच गुरुवार को पंजाब के मुख्यमंत्री कैप्टन अमरिंदर सिंह और हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर के बीच ट्विटर पर जंग छिड़ गई है। आज जब पंजाब के मुख्यमंत्री अमरिंदर सिंह ने दिल्ली की ओर मार्च कर रहे किसानों को रोकने के लिए भाजपा नीत हरियाणा सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि उनके खिलाफ बल प्रयोग करना पूरी तरह अलोकतांत्रिक और असंवैधानिक है। इसके बाद हरियाणा के सीएम खट्टर ने पलटवार करते हुए एक के बाद एक कई ट्वीट कर कहा, कैप्टन अमरिंदर जी, मैंने पहले ही कहा है और मैं इसे फिर से कह रहा हूं, मैं राजनीति छोड़ दूंगा अगर एमएसपी पर कोई परेशानी होगी - इसलिए, कृपया निर्दोष किसानों को

उकसाना बंद करें।

कर रहे हैं और बातचीत से भाग रहे हैं, क्यों?

आपके झूठ, झूठे प्रचार का समय अब खत्म हो गया है - लोगों को अपना असली चेहरा देखने दें। कृपया कोरोना महामारी के दौरान लोगों के जीवन को खतरे में डालना बंद करें। मैं आपसे लोगों के जीवन के साथ नहीं खेलने का आग्रह करता हूं - कम से कम महामारी के समय सस्ती राजनीति से बचें। बता दें कि कैप्टन अमरिंदर सिंह ने कहा था, मनोहर लाल खट्टर, लगभग 2 महीने से किसान बिना किसी समस्या के पंजाब में शांतिपूर्ण तरीके से विरोध-प्रदर्शन कर रहे हैं। हरियाणा सरकार बल प्रयोग कर उन्हें क्यों उकसा रही है? क्या किसानों को सार्वजनिक राजमार्ग से शांतिपूर्वक गुजरने का अधिकार नहीं है? उन्होंने कहा कि मैं भाजपा से उनकी राज्य सरकार को किसानों के खिलाफ क्रूर बल का इस्तेमाल ना करने का निर्देश देने का आग्रह करता हूं। जो हाथ देश को खाना खिलाते हैं उन्हें थामा जाना चाहिए, धकेला नहीं जाना चाहिए।

अंबाला और करनाल में किसानों ने मचाया कोहराम

काबू करने को पुलिस ने किया आंसू गैस और पानी का प्रयोग

नई दिल्ली। नए कृषि कानूनों के खिलाफ विरोध प्रदर्शन के लिए राशन-पानी के साथ दिल्ली कूच कर रहे किसानों का आंदोलन अब आर-पार की लड़ाई में बदलता दिख रहा है। उग्र हुए किसानों ने अंबाला, करनाल और कुरुक्षेत्र में कोहराम मचा रखा है। किसानों को काबू करने के लिए पुलिस ने वाटर कैनन और आंसू गैस का भी इस्तेमाल किया, लेकिन हालात संभलते नहीं दिख रहे।

इस बीच केंद्र सरकार ने किसानों को वार्ता का न्योता दिया है। केंद्रीय कृषि मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर ने गुरुवार को कहा कि नए कानून बनाना समय की आवश्यकता थी। पंजाब में हमारे किसान भाई-बहनों को कुछ भ्रम है, हमने भ्रम दूर करने के लिए सचिव स्तर पर वार्ता की। मैंने 3 दिसंबर को सभी किसान यूनियन को पुनः बैठक के लिए अनुरोध किया है, सरकार चर्चा के लिए पूरी तरह तैयार है। पुलिस ने गुरुवार को हरियाणा में दाखिल होने की कोशिश कर रहे किसानों के एक समूह को तितर-बितर करने के लिए पानी की बौछारें की और आंसू गैस का इस्तेमाल किया। किसानों के प्रदर्शन के चलते शंभू बॉर्डर पर स्थिति तनावपूर्ण बनी हुई है, रोके जाने से गुस्साए किसानों ने जहां पुलिस बैरिकेड्स को उठाकर घग्गर नदी में फेंक दिया, वहीं पुलिसकर्मियों पर पथराव भी किया गया। इस दौरान कई किसान हाथों में काले झंडे लिए भी नजर आए। किसानों को रोकने के लिए हरियाणा पुलिस ने कई अवरोधक लगाएं हैं। वहीं, किसानों के दिल्ली चलो विरोध प्रदर्शन को देखते हुए ऐहतियातन दिल्ली से सटे हरियाणा और उत्तर प्रदेश के बॉर्डरों पर भी भारी संख्या में पुलिसबल तैनात किए गए हैं और ऐतिहात के तौर पर नोएडा, गाजियाबाद, गुरुग्राम और फरीदाबाद में मेट्रो सेवा को रोक दिया गया है। बॉर्डर से गुजरने वाले हर वाहनों की जांच की जा रही है। आपको बता दें कि केंद्र सरकार द्वारा हाल में पास किए गए कृषि कानूनों के विरोध में भारतीय किसान यूनियन के बैनर तले हजारों किसान आज दिल्ली में विशाल प्रदर्शन करेंगे। वहीं पुलिस इन प्रदर्शनकारी किसानों पर नजर रखने के लिए ड्रोन का सहारा ले रही है।

सीएम गहलोत के विरोध के बावजूद राष्ट्रपति की मंजूरी भर से बन सकता है राजस्थान में लव जिहाद के खिलाफ कानून

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) ने राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद से राजस्थान धर्म स्वातंत्रता विधेयक 2008 (राजस्थान धार्मिक रूपांतरण विधेयक) को मंजूरी देने का आग्रह करेगी, जो राज्य के कानून अंतर धर्म विवाह के खिलाफ है। आपको बता दें कि राज्य के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने मध्य प्रदेश, हरियाणा और उत्तर प्रदेश में भाजपा सरकारों द्वारा प्रस्तावित लव जिहाद कानूनों का विरोध किया है। लेकिन अगर राष्ट्रपति इस बिल को मंजूरी दे देते हैं तो राज्य में उनकी मंजूरी भर से लव जिहाद के खिलाफ कानून बन सकता है।

राजस्थान के लव जिहाद कानून को पूर्व वसुंधरा राजे सरकार ने पारित किया था और पिछले 12 सालों से यह बिल राष्ट्रपति के पास लंबित है। इसमें बताया गया है कि लव जिहाद हिंदुत्व समूहों द्वारा गढ़ा गया एक शब्द है जिसे कथित तौर पर शादी की आड़ में हिंदू लड़कियों को इस्लाम कबूल करके धर्म परिवर्तन करने के लिए मजबूर किया जाता है। मंगलवार को उत्तर प्रदेश कैबिनेट ने एक अध्यादेश को मंजूरी दे दी जिसमें धर्म परिवर्तन के लिए शादी करने पर 10 साल तक की जेल की सजा तय की गई थी। मध्य प्रदेश सरकार ने पहले पांच साल तक की जेल का प्रस्ताव दिया था। मध्य प्रदेश सरकार ने पहले पांच साल तक की जेल का प्रस्ताव रखा था और मंगलवार को राज्य के गृह मंत्री निरोत्तम मिश्रा ने कहा कि उत्तर प्रदेश प्रस्तावित कानून जैसी नहीं होगी। राजस्थान भाजपा के एक वरिष्ठ नेता नाम न छापने की शर्त पर बताया है कि विधेयक को पहले 2006 में और फिर 2008 में राज्य विधानसभा में पारित किया गया था। जिसमें वर्ष 2008 में संशोधन किया गया था और अनुमोदित विधेयक राज्यपाल को भेजा गया था, जिसे बाद में सहमति के लिए राष्ट्रपति को भेज दिया गया था। विधेयक में विवाह सहित किसी का धर्म बदलने के लिए पांच साल तक की सजा और 50,000 रुपये की सजा का प्रावधान है। विधेयक में नाबालिग, एक महिला या अनुसूचित जाति या अनुसूचित जनजाति के व्यक्ति के धर्म परिवर्तन के मामले में उच्च सजा का प्रावधान है, जिसे उत्तर प्रदेश सरकार ने भी प्रस्तावित किया है।

ग्वालियर से प्रकाशित

दैनिक पुष्पांजली टुडे

राष्ट्रीय मासिक पत्रिका,ऑनलाइन न्यूज़ चैनल,पोर्टल,एंड्रॉयड ऐप

को

सम्पूर्ण भारत में नियुक्त करना है

ब्यूरो चीफ / रिपोर्टर्स

मध्यप्रदेश, उत्तरप्रदेश, छत्तीसगढ़, राजस्थान, हरियाणा, गुजरात, बिहार, झारखंड, उड़ीसा, पंजाब, हिमाचल प्रदेश, आंध्रप्रदेश, अरुणाचल प्रदेश, असम, गोआ, कर्नाटक, केरल

आदि राज्यो के जिला एवं तहसील स्तर पर मनोनीत करना है।

संपर्क करें

कार्यालय : ए ब्लॉक,404 भाऊ साहब पोतनीस एंक्लेव,गोले का मंदिर ग्वालियर मध्यप्रदेश मो. 8269307478,7999246560

Website - www.pushpanjalitoday.com,
Email - pushpanjalitoday@gmail.com

पाकिस्तान ने हाफिज सईद को गुपचुप जेल से निकाला

घर से टेरर फैक्ट्री चला रहा है लश्कर चीफ: इंटेलिजेंस रिपोर्ट

> इंटेलिजेंस अधिकारी ने कहा उपलब्ध जानकारियों के आधार पर हमारी समझ है कि यह अनौपचारिक व्यवस्था हो सकती है। हमें इस बात कि जानकारी नहीं है कि क्या हाफिज सईद के घर को जेल घोषित करने के लिए किसी ऑर्डर को नोटिफाई किया गया है या नहीं।

नई दिल्ली। लश्कर-ए-तैयबा के संस्थापक और संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की ओर से प्रतिबंधित आतंकी सरगना हाफिज सईद जेल की सजा नहीं काट रहा है, बल्कि लाहौर के जोहर टाउन स्थित घर में ठाठ से रह रहा है और वहीं से टेरर फैक्ट्री चला रहा है। इस मामले से अवगत अधिकारियों ने यह जानकारी दी है।

सईद को आधिकारिक रूप से जुलाई 2019 में गिरफ्तार किया गया था। इसके बाद इस साल फरवरी में टेरर फाइनेंसिंग केस में उसे 10 साल छह महीने जेल की सजा सुनाई गई। इसे अमेरिका की ओर से एक अहम कदम बताया गया था। पिछले सप्ताह दो अन्य मामलों में उसे सजा सुनाई गई है। हाफिज सईद की गिरफ्तारी और दोषी करार दिए जाने को इमरान खान सरकार की ओर से फाइनेंशल एक्शन टास्क फोर्स द्वारा ब्लैक लिस्ट किए जाने से बचने के प्रयास के रूप में देखा गया। हालांकि, भारतीय खुफिया एजेंसियों के इनपुट, जिसे हिन्दुस्तान टाइम्स ने देखा है, के मुताबिक, हाफिज सईद लाहौर के कोट लखपत जेल में नहीं है। एक अधिकारी ने कहा, वह अधिकतर घर पर ही रहता है। वह ऐसी कस्टडी में है कि घर पर मेहमान भी उससे मुलाकात कर सकते हैं। इंटेलिजेंस इनपुट के मुताबिक पिछले महीने सईद के घर जकी-उर रहमान लखवी भी पहुंचा था जोकि लश्कर-ए-तैयबा के जिहाद विंग का ऑपरेशनल कमांडर है। बताया जा रहा है कि इस बैठक का अजेंडा जिहाद के लिए फंड जुटाने पर केंद्रित था। सईद की तरह लखवी भी यूएनएससी की ओर से प्रतिबंधित है और 26/11 मुंबई आतंकी हमले का साजिशकर्ता है। अंतरराष्ट्रीय दबाव में पाकिस्तान में उसे कई बार गिरफ्तार तो किया गया लेकिन हाफिज सईद की तरह सबूत के अभाव में छोड़ दिया गया। भारतीय अधिकारियों ने कहा कि यह लखवी ही था जिसने 26/11 हमलों से पहले भारत में रेकी के लिए पाकिस्तान में जन्मे अमेरिकी नागरिक डेविड हेडली को राजी किया और उसे गाइड किया। पाकिस्तान पर करीब से नजर रखने वाले लोगों का कहना है कि हाफिज सई को जेल में नहीं रखे जाने का इनपुट आतंकवाद को लेकर इस्लामाबाद के पुराने रुख के मुताबिक ही है। एक विशेषज्ञ ने यह भी कहा कि जब हाफिज सईद को 10 साल 6 महीने की सजा सुनाई गई तो वे शुरू में हैरान थे और इसकी व्याख्या इस रूप में की गई कि सईद ने पाकिस्तानी डीप स्टेट के लिए अपनी उपयोगिता को रेखांकित किया है। 9/11 हमलों के बाद सईद को कई बार गिरफ्तार किया गया, लेकिन दबाव कम होते ही उसे हर बार छोड़ दिया गया।

दैनिक पुष्पांजली टुडे

हाइवे पर ट्रॉली सहित ट्रैक्टर पलटने से 2 की मौत, दर्जनों घायल

दबोह(अर्पित गुप्ता)। दरअसल मामला दबोह क्षेत्र के ग्राम गोरा के पास का है जहां हाइवे पर ट्रॉली समेत ट्रैक्टर पलटने से भीषड़ हादसा हो गया। यह ट्रैक्टर भगुआराम पुरा थाना क्षेत्र के ग्राम बड़ा पोरसा से दबोह क्षेत्र के सुप्रसिद्ध धार्मिक स्थल माँ रहकोला देवी के मन्दिर पर जा रहा था।जिसमे लगभग 40 से 50 लोग सवार थे।प्राप्त जानकारी के अनुसार मौके पर प्रत्यक्षदर्शियों के द्वारा बतौया गया कि ट्रैक्टर रतनपुरा की तरफ से आ रहा था तो सामने से आ रही गाय को बचाने के चक्कर मे ड्राईवर ने ट्रैक्टर को दूसरी ओर मोड़ा तो सामने से वाहन आ रहा था

जिससे ट्रेक्टर अनियंत्रित होकर मय ट्रॉली के साथ पलट गया जिसमे मौके पर ही लगभग 2- लोगो की मौत हो गई व दो दर्जन से अधिक लोगो की हालत भी गम्भीर बताई जा रही है।प्रत्यक्षदर्शियों द्वारा बताया गया कि सड़क पर यह भीषड़ हादसा होने के बाद स्थानीय पुलिस भी काफी देर से पहुँची जिसकी वजह से ग्रामीणों में काफी रोष देखने को मिला।फिलहाल तो दबोह पुलिस ने मौके पर पहुंचकर गम्भीर रूप से घायल व्यक्तियों को ग्वालियर उपचार के लिए भेजा व कुछ लोगो को दबोह प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया है।

मां की स्मृति में बेटो ने ट्रोमा सेंटर के लिए एक लाख रुपये देने की घोषणा की

नारायणलाल सैणचा

जोधपुर। बिलाडा माता की स्मृति में बेटो ने राजकीय ट्रोमा सेंटर बिलाड़ा गोधाम चिकित्सालय में गायों के इलाज व दवाईयों के लिए की है जानकारी के मुताबिक भूरी देवी पत्नी सीरवी नारायणसिंह राठौड़ किसान पार्क के सामने बिलाड़ा का निधन 8 नवंबर को हो गया था जिस पर बुधवार को निधन के उपरांत होने वाले रीति रिवाजों का निर्वहन कर शोक सभा में उनके दोनो पुत्र व्यवसासी किशनसिंह राठौङ व कृषि उपज मंडी समिती व्यापार मंडल बिलाड़ा के अध्यक्ष के महेन्द्रसिंह राठौड़ ने राजकीय ट्रोमा सेंटर बिलाड़ा में उपकरणों के लिए एक लाख रुपये भेंट करने की घोसणा की गई साथ ही खारिया मिठापुर रोड़ स्थित बिलाड़ा गोधाम चिकित्सालय बिलाडा में बीमार व अपंग गायों के इजाज व दवाईयों के लिए भी 25200दो सो रूपये भेंट करने की घोसणा की चिकित्सालय प्रभारी व बीसीएमओ डॉ जितेंद्रसिंह राठौड़ ने भामाशाह परिवार का आभार जताया।इस दौरान आयोजित शोकसभा मे कई गणमान्य लोगों ने श्रंद्धांजलि अर्पित की।

सिलिस्ती की स्टोरी ब्रोकन शिप गोल्डन बुक ऑफ़ वर्ल्ड रिकॉर्ड में हुई दर्ज

उपसम्पादक अर्पित गुप्ता से सिलिस्ती की खास बातचीत

नेनाराम सीरवी

राजस्थान के सावर अजमेर की रहने वाली युवा लेखिका सिलिस्ती करूरिया ÷चमड़े का लुटेरा÷ नावेल की लेखिका है।जिनकी शार्ट स्टोरी ब्रोकन शिप गोल्डन बुक ऑफ़ वर्ल्ड रिकॉर्ड में चयनित हुई है।जो सिलिस्ती ने ब्रोकन शिप स्टोरी के जरिये एक छोटे से बच्चे की काल्पनिक दुनियाँ को बताने की कोशिश की है।ब्रोकन शिप जादू और विचित्र काल्पनिक सोच के लिए देश विदेश में लोकप्रिय हुयी है।पुष्पांजली टुडे के उपसम्पादक अर्पित गुप्ता से हुई बातचीत में सिलिस्ती बताती हैं कि वह बनस्थली विद्यापीठ राजस्थान में बायोसाइंस में पीएचडी कर रही है।सिलिस्ती बताती है कि उन्होंने पीएचडी की साइंस लैब में बिजी रहते हुए ब्रोकन शिप शार्ट स्टोरी लिख कर इंटरनेशनल मैगज़ीन में पब्लिश्ड करवाते हुए अपना नाम गोल्डन बुक ऑफ़ वर्ल्ड रिकॉर्ड में दर्ज करवाने का हौसला रखा।

सिलिस्ती ने ब्रोकन शिप में अपनी काल्पनिक कलम से दुनिया में जीने की सलीका बताया है। ब्रोकन शिप एक ऐसी काल्पनिक कहानी है जिसमे सिलिस्ती ने काल्पनिक फिक्शन के जरिये बच्चों से लेकर हर उम्र के युवा को आकर्षित किया है,जिसमे पनीर के घोड़े और चॉकलेट के घोड़े और हरे बालो वाली रानी जो रियल लाइफ से एक अलग ही दुनिया में ले जाता है। सिलिस्ती की लिखी स्टोरी बेबसी पर वेब सीरीज फिल्म बन रही है।सिलिस्ती ने अपने लेखन से सामाजिक स्तर की समस्यो को उजागर करने की कोशिश कर रही है।पूरा देश सिलिस्ती की वेब सीरीज फिल्म बेबसी को लेकर बहुत उत्सुक है। बेबसी एक जमीनी स्तर की सामाजिक सोच को सामने लाती है।वो कोरोना वायरस हो या सामाजिक लोगो की सोच कैसे एक इंसान को बदल सकता है, सिलिस्ती ये सोच लेकर दुनिया को अपने विचारो को दुनिया के सामने वेब सीरीज लेकर सामने आयी है।सिलिस्ती ने उपसम्पादक अर्पित गुप्ता से हुई बातचीत के अंत मे पुष्पांजली टुडे को धन्यवाद देते हुए कहा कि पुष्पाजंली टुडे ने सदैव मेरी रचनाओ व खबरों को प्रकाशित किया है उन्होंने खुद को इस ऊंचाई पर पहुंचने में पुष्पाजंली टुडे का विशेष सहयोग भी बताया है।फिलहाल तो पुष्पांजली टुडे सिलिस्ती के उज्ज्वल भविष्य की कामना करता है।

संविधान दिवस पर अंबेडकर जी की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर संविधान के मौलिक कर्तव्य के पालन की ली शपथ

विनोद पाठक

श्योपुर। श्योपुर जिले के मानवतावादी विकास धारा के समर्थक नागरिकों ने नगरपालिका श्योपुर के पुराने कलेक्टर निवास के पास अंबेडकर पार्क में पहुंच कर संविधान निर्माता डाक्टर भीम राव अंबेडकर जी की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर संविधान की प्रस्तावना का सामूहिक वाचन किया और साथ ही संविधान के मौलिक कर्त्तव्यों के पालन की शपथ लेकर संविधान के अनुसार मानव भलाई के लिए निरंतर कार्य करने का संकल्प लिया। कार्यक्रम में भागीदारी आईसीएमआर, भारत सरकार और मध्यप्रदेश सरकार की कोरोना संक्रमण के बचाव के लिए जारी गाइडलाइंस के अनुसार सोशल डिस्टेंसिंग का पालन, सभी के मुंह पर मास्क सहित और हाथों को सेनेटाइज करते हुए की गई। इस दौरान राजेन्द्र कुमार धानुक, रघुनंदन पच्चौरी नगर पालिका, खालिद कुरेशी, डॉ वीरेन्द्र सिंह, सहायक प्राध्यापक प्रकाश आहिरवार, शिक्षक शिवराज सिंह दोहरे, धर्मेन्द्र पच्चौरी, सहायक प्राध्यापक खेमराज आर्य, सहायक प्राध्यापक पुष्पेंद्र यादव, सहायक प्राध्यापक महेंद्र कैथवास, सहायक प्राध्यापक रामदयाल मकवाना, सहायक प्राध्यापक प्रताप शाक्य, सहायक प्राध्यापक कमलेश निगम, सहायक प्राध्यापक दत्तपाल भंवर, डॉ श्यामलाल बामनिया, यूपीएससी एवं एमपीपीएससी निःशुल्क कोचिंग के मार्गदर्शक एवं समन्वयक परीक्षित भारती, राम लखन मीणा, बलराम प्रजापति आदि उपस्थित थे।

डीएम, एसएसपी ने तहसील सदर क्षेत्र के मतदान केन्द्रों का किया निरीक्षण

एटा। डीएम सुखलाल भारती, एसएसपी सुनील कुमार सिंह ने तहसील एटा सदर क्षेत्र में सर्वोदय इण्टर कॉलेज में बनाए गए बूथ संख्या 134, 135, 136, 77 एवं सकीट विकासखण्ड कार्यालय पर बनाए गए बूथ संख्या 78 तथा डीएवी इण्टर कॉलेज सकीट में बनाए गए बूथ संख्या 141, 142 पर पहुंचकर औचक निरीक्षण किया। उन्होंने इस दौरान निर्देश दिए कि बूथ पर रैम्प, शौचालय, पानी, विद्युत, प्रकाश आदि समस्त व्यवस्थाएं आयोग की मंशानुरूप सुनिश्चित कराई जाएं। लवडीएम, एसएसपी ने मण्डी समिति

पहुंचकर 30 नवंबर को पोलिंग पार्टियों के रवानगी हेतु उपलब्ध कराई जाने वाली सुविधाओं के बारे में जायजा लिया। उन्होंने कहा कि 30 नवम्बर को मण्डी समिति के पोलिंग पार्टियां रवाना होंगी। पार्टी रवानगी के दौरान किसी भी प्रकार की दिक्कत न हो। पोलिंग पार्टी रवानगी स्थल पर कोविड-19 की गाईडलाईन का भी अनुपालन सुनिश्चित कराया जाए। इस दौरान सीडीओ मदन वर्मा, एडीएम वित्त एवं राजस्व केशव कुमार, एडीएम प्रशासन विवेक कुमार मिश्र, एसडीएम सदर अबुल कलाम, डीडीओ एसएन सिंह कुशवाह, एआरटीओ हेमचन्द्र गौतम, एडीईओ राजेन्द्र भारती, प्रधान सहायक सतेन्द्र पचैरी आदि मौजूद रहे।

अब उत्तर प्रदेश मे शादी करने के लिए नही लेनी होगी अनुमति,कोरोना गाइडलाइन के नाम पर परेशान नही करेगी पुलिस

लखनऊ. उत्तर प्रदेश में शादी समारोहों की अनुमति और मेहमानों की संख्या को लेकर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने स्पष्ट निर्देश दिए हैं. सीएम योगी ने कहा है कि शादी के लिए किसी को भी पुलिस या प्रशासनिक अनुमति की कोई आवश्यकता नहीं है. प्रदेश में कहीं से भी पुलिस दुर्व्यवहार की शिकायत आई तो सख़्त कार्रवाई की जाएगी. यही नहीं मामले में अधिकारियों की भी जवाबदेही तय होगी. मुख्यमंत्री ने कहा कि लोग केवल सूचना देकर कोविड-19 प्रोटोकाल और गाइडलाइन के सभी निर्देशों का पालन करते हुए विवाह समारोह का आयोजन कर सकते हैं. यही नहीं मुख्यमंत्री ने समारोह के लिए निर्धारित लोगों की संख्या पर भी स्थिति स्पष्ट की है.उन्होंने कहा कि बैंड बाजा या अन्य कर्मचारी लोगों की निर्धारित संख्या में शामिल नहीं होंगे. पुलिस महकमे के कसे पेंच- सीएम योगी ने पुलिस महकमे के पेंच भी कसे हैं. सीएम ने कहा कि गाइडलाइन के नाम पर उत्पीड़न बर्दाश्त नहीं होगा, लोगों को जागरूक करें, गाइडलाइन का पालन करने के लिए प्रोत्साहित करें. उन्होंने कहा कि बैंड बजाने, डीजे बजाने से रोकने वाले अधिकारियों व पुलिसकर्मियों पर कठोर कार्यवाही होगी.कोरोना को लेकर यूपी सरकार सतर्कबता दें कुछ दिन पहले ही कोरोना से सतर्क यूपी सरकार ने सामूहिक आयोजनों पर पाबंदी लगाने का फैसला लिया है. सीएम ने शादी-समारोहों में 100 से अधिक लोगों को शामिल न होने देने के निर्देश दिए हैं. कोरोना संक्रमण के मामलों को एक बार फिर बढ़ते देखते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शादी समारोह आदि में 200 व्यक्तियों के शामिल होने की छूट को घटाकर 100 करने के निर्देश दिए हैं. साथ ही शादी में हिस्सा लेने वालों के लिए मास्क पहनना और सोशल डिस्टेंसिंग का पालन करना जरूरी होगा. सीएम के आदेश के मुताबिक जिलाधिकारी स्वयं शादीस्थल जाकर निरीक्षण करें या फिर अधिनस्थ अधिकारी को भेजकर आदेश का सख्ती से पालन करवाएं. किसी भी शादी में सौ से ज्यादा मेहमान होने पर जुर्माना लगाकर कार्रवाई की जाए. मुख्यमंत्री का बेहद सख्त निर्देश है कि इस मामले में किसी भी तरह की लापरवाही बर्दाश्त न की जाए.

भाजपा सरकार मे अधिकारी नहीं कर रहे मन से काम

अंकित कुमार

इटावा–महेवा ब्लाक के सभी ग्रामों में आज तक पिछले 4 महीनों से कोई भी सफाई कर्मी अपने नियमित समय पर कार्य करने के लिए गावों में नहीं पहुंच रहे हैं अधिकारियों की मिली भगत से स्वच्छ ग्राम मिशन की उड़ाई जा रही है धज्जियां इनमें से एक गांव सराय जलाल इकदिल ! ग्राम में नालियों की व्यवस्था होने के बाद भी सफाई कर्मी द्वारा व प्रधान की मिलीभगत से पिछले 4 महीनों से कोई सफाई नहीं की जा रही है कोरोना काल के चलते यहाँ प्रधान सरिता व उनके प्रतिनिधि की यह बहुत बड़ी लापरवाही है।

सेमरी पंचायत के सचिव व सरपंच को कारण बताओ नोटिस जारी

पिछोर। जिले के पिछोर जनपद पंचायत की सेमरी पंचायत के सचिव अशोक शर्मा व सरपंच ब्रजेन्द्र योगी को जनपद सीईओ द्वारा पत्र क्रमांक 1894 दिनांक 25 नवम्बर को कारण बताओ नोटिस जारी किया और तीन दिवस के भीतर स्पष्टीकरण देने को कहा।लजारी नोटिस में उल्लेख किया गया कि ग्राम पंचायत सेमरी को 14वां एवं 15वां वित्त आयोग से प्राप्त राशि में से आपके द्वारा घटिया निर्माण कार्य कराए गए थे जिनकी शिकायतें ग्रामवासियों के साथ साथ महेंद्र कुमार लोधी के द्वारा की गई हैं कि ग्राम पंचायत में सफाई का कार्य नही कराया जाता है जिसमें प्राथमिक विद्यालय के पास बनी नाली को भरवा,पटवा दिया है जिससे पानी की निकासी नही हो पा रही है इसके अलावा ग्राम पंचायत के द्वारा सार्वजनिक चबूतरा,टीनशेड सहित बाऊंड्रीबॉल का निर्माण कार्य अनुचित तरीके से कराए जा रहे हैं पंचायत के कार्यों एवं कृत्यों की बजह से सीएम हेल्पलाइन की शिकायतों की संख्या बढ़ रही है जिनके प्रतिवेदन भी समय पर आपके द्वारा नही दिए जाते हैं कुछ समय पूर्व आपसे ग्राम पंचायत के अभिलेख जांच हेतु चाहे गए थे जो आपके द्वारा अपूर्ण स्थिति में प्रस्तुत किये गए इससे प्रतीत होता है कि आपके द्वारा जनशिकायतों पर कोई कार्यवाही नही की जा रही है,जो सौंपे गए दायित्वों के विपरीत है क्यों न आपको अक्षम्य माना जाकर आपसे प्रभार हटाने की कार्यवाही कराई जावे। साथ ही उल्लेख किया गया कि आप अपना स्पष्टीकरण समक्ष में उपस्थित होकर तीन दिवस में दें अन्यथा यह माना जायेगा कि लगाया गया आरोप मान्य है जिसके बाद कार्यवाही वरिष्ठ कार्यालय को प्रस्तावित की जावेगी।

करोबार ए फरस्तीस

मेरे मजी में जो बीज बोए थे मैने अपनी कर्मो के
आज उनमें पनिरी फुटी है तफबदन
फलों के आने का इंतज़ार करू या मुष्कत्त यूंही करती रहूं
इसी कसमकस में रोज़ वक़्त मैं जाया करती हूं ।।
मनचाहे फलों आरजू में की मैने नादानियां कई
कभी किसी संत से हाथ के लकीरें पढ़वाई
या पत्थर जवाहरात ही पहन लिए उंगलियों में कभी ।।
आसमानी सह के डर से कायम है ये करोबार-ए-फरस्तीस
जहां चांद तरे फैसला करते है हमारे मुसतिर बिल का ।।
भुला बैठी हूं ज़िंदगी के वो आसान से सबक
के बीज बोया था जिसने जैसा फल भी वैसा ही पाएगा
जो मेहनत करेगा आज कामयाब कल वहीं कहलायेगा ।।
दुआओ में हम रोज़ खुदा से कितनी फरियाद करते है
मांगो की फेर लेकर रोज़ ऊपरवाले को परेशान करते है
अब खुदा इन मांगने वालो की सुने या उनकी सुने
जो हकदार है और हकदार है वहीं जो कर्म करते है बिना फलों का इंतजार किये।

शिखा रैकवार
मनेंद्रगढ़

अम्बाह पीजी कॉलेज में संविधान दिवस पर कैडेटों ने ली शपथ...

केशब पंडित जी अम्बाह...

अम्बाह स्नातकोत्तर महाविद्यालय की एनसीसी यूनिट के तत्वाधान में एनसीसी कैडेट एवं महाविद्यालय परिवार के शैक्षणिक और अशैक्षणिक कर्मचारियों ने संविधान दिवस पर राष्ट्र विकास के लिए समर्पण भाव से कार्य करने की शपथ ली। समस्त कैडेट मास्क लगाकर एवं सोशल डिस्टेंसिंग के साथ इस कार्यक्रम में शामिल हुए। प्राचार्य डॉक्टर शिवराज सिंह तोमर ने कैडेटों को शपथ दिलाते हुए संविधान के प्रति समस्त नागरिकों के दायित्व को बताया प्राचार्य जी ने कैडेटों को भारतीय संविधान की विशेषता बताते हुए कहा कि भारतीय संविधान विश्व का सबसे बड़ा लिखित संविधान हैं जिसमें संपूर्ण राष्ट्र के नागरिकों को बिना किसी भेदभाव के समान अधिकार देते हुए सुरक्षा प्रदान की गई है। संविधान के प्रति समर्पण उन सभी महापुरुषों के प्रति भी श्रद्धांजलि है जिन्होंने इस संविधान को बनाने में अपनी अहम भूमिका का निर्वाह किया इसमे उपस्थिती मेजर वी.के जैन, कैप्टन मनोज शर्मा, लेफ्टिनेंट मंजू तोमर व 30एम.पी वटालियन भिंड की रही।

VISION 2020
ग्वालियर शहर में पहली बार हर सेवा और वस्तु बहुत ही सस्ती
जियो रीचार्ज एक माह 199 वाला केवल 180 में।
आइडिया और एयरटेल का रीचार्ज केवल 225/- में 249 वाला।
किराना का सामान सबसे सस्ता।
HOME TUITION का डेमो फ्री वो भी 15 दिन।
केक केवल 180/- में फ्री HOME DELIVERY के साथ।
टिफिन सेंटर खाना बिल्कुल घर जैसा।
ऐसे ही 5 लाख प्रोडक्ट्स और 50 से ज्यादा सेवाएँ
बस एक कॉल या वॉट्सएप्प, हर सेवा आपके पास।
Only WHATSAPP 9425823988
call-9691937250/- 9516003221

मुनाफाखोरी चरम पर: आधे हो गए सब्जियों के थोक रेट, फुटकर में नहीं मिली राहत

भोपाल। बाजारों में सब्जियों की आवक बढ़ने के बाद भी दामों में कमी देखने को नहीं मिल रही है कारण है मुनाफाखोरी। आलम यह है कि सब्जियों के थोक रेट तो आधे हो गए लेकिन ग्राहकों को इसका लाभ नहीं मिल रहा है। हर साल नवंबर में सब्जियों की आवक बढ़ने से दाम कम हो जाते थे लेकिन इस बार हालात अलग हैं। आवक तो भरपूर हो रही है लेकिन दाम कम नहीं हो रहे। जानकार इसका कारण मुनाफाखोरी बता रहे है।

टमाटर, फूलगोभी और पत्ता गोभी समेत सभी हरी सब्जियां बाजार में 30-45 रुपए प्रति किलो बिक रहीं हैं। इनके साथ प्याज और आलू के दाम अब भी तेज बने हुए हैं। अधिकतर सब्जियों के दाम थोक बाजार में कम हो रहे हैं लेकिन लोगों को फुटकर मंडियों और ठेलों में सब्जियां महंगी ही मिल रहीं हैं। कई सब्जियां नीलाम भाव से दोगुने और तिगुने दामों पर मिल रहीं हैं। बुधवार को करोंद मंडी में गिलकी महज 12 रुपए किलो नीलाम हुई लेकिन फुटकर बाजार में इसके दाम 40 रुपए हैं। मुलताई से आकर 10 रुपए किलो नीलाम हो रही पत्तागोभी भी 30 रुपए बिक रही है। जानकार कहते हैं कि आलू प्याज के दाम कम न होने के कारण छोटे दुकानदार दूसरी सब्जियां भी ऊंचे दामों पर ही बेच रहे हैं। बाजार में एक माह पहले की स्थिति से तुलना करें तो हरी सब्जियों के दाम ठेलों पर ज्यादा कम नहीं हुए। हालांकि थोक बाजार में इनके दाम 50त्न रह गए हैं। आलू और प्याज के दामों में ही इतनी कमी नहीं आई। थोक सब्जी विक्रेता कहते हैं कि थोक में सब्जियों के दाम तेजी से कम हुए हैं लेकिन फुटकर में यह असर नहीं देखा जा रहा है।

इंदौर से भोपाल में आलू-टमाटर सस्ते- भोपाल जिला प्रशासन ने आलू, प्याज और टमाटर के रेट जारी किए हैं। इसके अनुसार टमाटर 35 रुपए, आलू और प्याज 40 रुपए किलो बिक रहे हैं, जबकि इंदौर में टमाटर 38 रुपए और आलू 42 रुपए किलो मिल रहा है।

कब तक घटेंगे दाम- अब दिसंबर के पहले हफ्ते से दाम कम हो सकते हैं। नई प्याज की आवक शुरू हो चुकी है। आलू भी पंजाब और हरियाणा के साथ छिंदवाड़ा से आने लगा है। आगाम 10-15 दिनों में दूसरे शहरों से भी आवक बढ़ सकती है।

मध्यप्रदेश: रतलाम में एक घर से तीन लाश मिलने से फैली सनसनी, माता-पिता और बेटी की हत्या

रतलाम। मध्य प्रदेश के रतलाम के राजीव नगर स्थित एक मकान में तीन लोगों के शव मिलने से सनसनी फैल गई। शव की सूचना मिलते ही काफी भीड़ जमा हो गई। पुलिस प्रशासन और एस पी गौरव तिवारी मौके पर पहुंचकर मामले की जानकारी जुटा रहे है। जानकारी के अनुसार गोविंद पिता बगदीराम उम्र (50), शारदा पति गोविंद (45) और दिव्या पिता गोविंद (21) की अपने ही घर में लाश मिली है। जानकारी के अनुसार रतलाम के जवाहर नगर स्थित मकान में एक ही परिवार के तीन लोगों की लाशें अलग-अलग कमरे मे मिली है। प्राथमिक जानकारी के अनुसार, हत्या की आशंका जताई जा रही है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

औद्योगिक थाना क्षेत्र के जवाहर नगर मुक्तिधाम के पास राजीव नगर में स्थित तीन मंजिला मकान की दूसरी मंजिल पर स्थित घर के अंदर तीन लोगों की गोली मारकर हत्या करने की आशंका व्यक्त की जा रही है। क्योंकि तीनों के शरीर पर खून निकला हुआ था और गोली लगने के निशान हैं। हालांकि अभी स्पष्ट नहीं हो पाया है कि तीनों को गोली लगी है या किसी अन्य वस्तु से चोट पहुंचाई गई है। एसपी गौरव तिवारी ने मौके पर पहुंचकर पूछताछ कर रहे हैं। वहीं जिन कमरों में शव मिले हैं, वहां किसी को नहीं जाने दिया गया है। हालांकि जांच पड़ताल के बाद ही मामले का खुलासा हो पाएगा।

दिल्ली जाने के लिए किसानों के साथ बिना कुछ खाए पिए डटी हैं मेधा पाटकर

आगरा। कृषि कानूनों के विरोध में दिल्ली कूच कर रहीं सामाजिक कार्यकर्ता मेधा पाटकर किसानों के साथ पिछले 18 घंटे से राजस्थान-यूपी बार्डर पर डटी हुई हैं। इसके चलते लगे जाम को खुलवाने के लिए धौलपुर के डीएम राजेश कुमार मौके पर पहुंच गए। उन्होंने एक लाइन को चालू करा दिया है। वहीं मेधा पाटकर का कहना है कि संविधान की रक्षा करना जरूरी हो गया है। मजदूर, किसान सबके साथ अन्याय हो रहा है। केंद्र सरकार ने सारा कुछ निजी हाथों में दे दिया है। बस अब खेती किसानी बची है और आम आदमी बचा है। इनका अस्तित्व भी खतरे में है।

बीती रात आठ बजे पाटकर को लगभग दो सौ किसानों के साथ राजस्थान-यूपी बार्डर पर आगरा पुलिस ने रोक लिया। एएसएपी बबलू कुमार का कहना है कि उन्हें शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए रोका गया है। इसके बाद किसानों ने वहां पर धरना शुरू कर दिया था। सभी किसान भूखे प्यासे धरने पर बैठे हैं। उनका कहना है कि वह यूपी में प्रदर्शन नहीं कर रहे हैं, उन्हें तो दिल्ली जाना है। उन्हें क्यों रोका

गया। यही पता नहीं है। पाटकर ने धरना स्थल पर बातचीत करते हुए कहा कि यूपी सरकार और राजस्थान सरकार आपस में बात नहीं कर सकती। ऐसी स्थिति में यह जन आंदोलनों की राजनीति हम लोग आगे बढ़ाना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि यह सरकार किसानों के जीने का रास्ता रोक रही है। वहीं गुरुवार की सुबह लगभग दो दर्जन वाहनों के काफिले में किसान मध्य प्रदेश से सीमा पर पहुंच गए। उन्हें भी दिल्ली जाना है। इधर, धौलपुर के जिलाधिकारी राजेश कुमार जायसवाल, एसपी केशव सिंह, आगरा के एसपी ग्रामीण रवि कुमार और एसडीएम खेरागढ़ अंकुर कौशिक पुलिसबल के साथ मौके पर ही मौजूद हैं।

हाईवे पर एक लाइन शुरू कराई- किसानों के धरने के कारण ग्वालियर हाईवे पर दूर तक वाहनों की लाइन लग गई है। किसानों के वाहनों के साथ अन्य वाहनों को भी पुलिस ने चेकिंग के लिए रोक दिया है। बाद में राजस्थान और आगरा पुलिस ने किसानों से बातचीत कर एक लाइन को शुरू करा दिया है।

फिरोजाबाद में दर्दनाक सड़क हादसा, टेंपो पर ट्रॉला चढ़ने से 6 की मौत, कई घायल

फिरोजाबाद। उत्तर प्रदेश के फिरोजाबाद में थाना नारखी के फरिहा और कोटला मार्ग के बीच भूतेश्वर मंदिर के पास एक सीमेंट से भरा ट्रॉला आगे चल रहे टेंपो के ऊपर चढ़ गया। सवारियों से भरा टेंपो ट्रॉला के आगे के हिस्से में बुरी तरह फंस गया और छह लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं कई लोग इस घटना में गंभीर रूप से घायल हो गए हैं, जिन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मामला गुरुवार की सुबह करीब साढ़े 10 बजे का है। कोटला की ओर से एक सवारियों से भरा टेंपो फरिहा से फिरोजाबाद की ओर जा रहा था। इसके पीछे एक सीमेंट की बोरियों से भरा ट्रॉला तेजी से आ रहा था। ओवरटेक के दौरान ट्रॉला अनियंत्रित हुआ और अपनी साइड में चल रहे टेंपो के ऊपर चढ़ गया। टेंपो का पूरा हिस्सा ट्रोला के आगे के हिस्से में फंसता गया और ट्रॉला सड़क से नीचे उतर गया।

आश्रम की दिव्यांग महिला ने दिया बच्ची को जन्म

रेप केस दर्ज कर पुलिस कर रही जांच- कैसे गर्भवती हुई?

देवास। दिव्यांग महिलाओं के साथ समाज का रवैया हमेशा कठोर ही रहा है। उनकी सुरक्षा के मुद्दे पर तमाम दावे होने के बावजूद उनके साथ कुछ न कुछ गलत होता ही रहता है। अब मध्य प्रदेश के देवास में ऐसा ही एक मामला देखने को मिला है। दरअसल मध्य प्रदेश के कबीर आश्रम में रह रही एक दिव्यांग महिला ने एक बच्ची को जन्म दिया है। यह जानकारी जिलाधिकारी ने बुधवार को दी। जिला कलेक्टर चंद्रमौली शुक्ला ने बताया कि कबीर आश्रम की 22 साल की मूक बधिर महिला को अस्पताल में भर्ती कराया गया जिसके बाद उसने बच्ची को जन्म दिया है। आईएएस शुक्ला ने कहा कि इस मामले में केस दर्ज कर लिया गया है। आगे की तहकीकात के लिए टीमों का

गठन भी कर दिया गया है। आश्रम में पूछ-ताछ के बाद पुलिस को पता चला है कि इस महिला को 6 साल की उम्र में उसके माता-पिता ने वहां छोड़ दिया था। उसके बाद से ही वह देवास जिले में कबीरपंथी समूह द्वारा चलाए जा रहे दो आश्रमों में रह रही थी। जिला अस्पताल में बच्ची के जन्म के बाद यह मामला सामने आया है। अधिकारी ने बताया, पुलिस तहकीकात कर रही है कि यह मूक-बधिर महिला गर्भवती कैसे हुई और इसी संदर्भ में अज्ञात लोगों के खिलाफ देवास में मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। पुलिस अब आश्रम में रह रहे लोगों का डीएनए टेस्ट कराएगी। पुलिस यह भी कयास लगा रही है कि महिला को आश्रम के बाहर भी यौन शोषण का शिकार बनाया गया होगा। इस घटना के बाद 6 अन्य महिलाओं को आश्रम से बचाया गया है।

आईपीएस अफसर की भांजी को ससुराल वालों ने बनाया बंधक

मेरठ। आईबी दिल्ली में तैनात आईपीएस अफसर की भांजी को ससुरालियों ने मेरठ में बंधक बनाया हुआ था। इस बात की सूचना दिल्ली से आईपीएस अफसर ने मेरठ एसएसपी को दी। इसके बाद नौचंदी पुलिस की एक टीम को भेजकर महिला को बंधन मुक्त कराया गया। बाद में महिला को उनके भाइयों के हवाले किया गया। इस संबंध में एक लिखित शिकायत भी नौचंदी पुलिस को दी गई है। महिला फिलहाल परिजनों के साथ दिल्ली रवाना हो गई है। दिल्ली आईबी कार्यालय में तैनात आईपीएस अफसर की भांजी की शादी मेरठ के नौचंदी इलाके में सम्राट पैलेस निवासी कारोबारी के साथ हुई थी। पिछले कुछ दिनों से महिला को ससुराल में परेशान किया जा रहा था। इस संबंध में महिला ने अपने परिजनों को फोन पर सूचना भी दी थी। तीन दिन से महिला का घर से बाहर निकलना बंद कर दिया गया था और फोन भी ससुरालियों ने कब्जे में ले लिया था। किसी तरह से महिला ने अपने भाई को इस बात की सूचना दी। बाद में महिला के भाई ने दिल्ली आईबी कार्यालय में तैनात अपने आईपीएस मामा को जानकारी दी और मदद मांगी। आईपीएस अफसर ने मेरठ एसएसपी अजय साहनी से इस प्रकरण में फोन पर बात की। इसके बाद एसएसपी के आदेश पर महिला के परिजनों के साथ पुलिस फोर्स सम्राट पैलेस कॉलोनी पहुंची और महिला को बंधन मुक्त कराया गया। इस दौरान महिला पुलिस भी साथ थी और वीडियोग्राफी कराई गई। महिला और उनके परिजनों को नौचंदी थाने लाया गया। यहां से महिला को परिजनों को सौंप दिया।

इनका कहना है

दिल्ली से आईपीएस अफसर का फोन आया था। उनकी भांजी नौचंदी के सम्राट पैलेस में रहती हैं। पारिवारिक विवाद था जिसके कारण पुलिस को हस्तक्षेप करना पड़ा। महिला को फिलहाल उनके भाई के साथ भेजा गया है। बाकी कार्रवाई की जा रही है।

- अजय साहनी, एसएसपी

7477 करोड़ की लागत से बनने वाली 16 सड़क परियोजनाओं का लोकार्पण व शिलान्यास आज

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के लिए गुरुवार का दिन खास है। 7477 करोड़ की लागत से बनने वाली 16 सड़क परियोजनाओं का आज लोकार्पण और शिलान्यास होगा। प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में केंद्र मंत्री नितिन गडकरी के हाथों से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए इन परियोजनाओं का लोकार्पण व शिलान्यास होगा। इस खास मौके पर रिटायर्ड जनरल वीके सिंह, डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य समेत यूपी कैबिनेट के कई मंत्री शामिल होंगे।

इन परियोजनाओं का होगा लोकार्पण व शिलान्यास

- मेरठ से बुलंदशहर खंड एनएच-235 का चार लेन चौड़ीकरण
- गोरखपुर बाईपास एनएच-24 से कालेशर एनएच-24 का चार लेन निर्माण
- महोबा एवं बांदा जनपद के अन्तर्गत कबरई से बांदा खंड एनएच-76 के चौड़ीकरण एवं उन्नयन का कार्य
- चित्रकूट एवं प्रयागराज जनपद के अन्तर्गत मऊ से जसरा खंड एनएच-76 के चौड़ीकरण एवं उन्नयन का कार्य
- प्रतापगढ़ से प्रयागराज बाईपास

खंड एनएच-96 के चार लेन चौड़ीकरण एवं उन्नयन का कार्य
- सिद्धार्थनगर जनपद के अंतर्गत बढ़नी से कटाया चौक खंड एनएन-730 **के चौड़ीकरण एवं उन्नयन का कार्य**- कानपुर जनपद के अंतर्गत एनएच-91 के सीओडी **क्रासिंग पर आरओबी का निर्माण कार्य**-- इटावा एवं औरैया जनपद के अंतर्गत भरथना चौक इटावा से कुदरकोट मार्ग के चौड़ीकरण का कार्य
- सोनभद्र जनपद में एनएच-75 ई के एमपी और यूपी बॉर्डर से शुरू होकर सोनभद्र होते हुए यूपी-झारखंड सीमा तक सुदृढ़ीकरण का कार्य
- मिर्जापुर जनपद में डूमण्डगंज से हलिया तक मार्ग चौड़ीकरण एवं सुदृढ़ीकरण का कार्य
- प्रयागराज जनपद में रामपुर से भडेवरा तक मार्ग चौड़ीकरण एवं सुदृढ़ीकरण का कार्य
- गोरखपुर जनपद में सीकरीगंज और गोला के बीच में मार्ग चौड़ीकरण एवं सुदृढ़ीकरण का कार्य
- कुशीनगर जनपद में तमकुहीराज और पडरौना के बीच में मार्ग चौड़ीकरण एवं सुदृढ़ीकरण का कार्य कार्य शुभारंभ
- प्रयागराज जनपद में एनएच-96(330) पर फाफामऊ में गंगा नदी पर बने सेतु के समानान्तर नए 6 लेन सेतु मार्ग का निर्माण कार्य सिक्स लेन पुल की लंबाई 9.9 किलोमीटर होगी, 1948 करोड़ की लागत से बनेगा

प्रयागराज में गुरुवार बहुप्रतीक्षित मलाक हरहर से स्टैनली रोड तक सिक्स लेन पुल की नींव रखी जाएगी। डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य दोपहर तीन बजे पुल का शिलान्यास करेंगे। 1948 करोड़ की लागत से बनने वाले इस पुल की लंबाई 9.9 किलोमीटर होगी। तीन साल में इसे पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। सिक्स लेन पुल का निर्माण सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय की ओर से किया जाएगा।

लापरवाही: बच्ची के शव को कुतर गए चूहे, डीएम ने दिए जांच के आदेश

अलीगढ। अलीगढ़ में निजी अस्पताल प्रबंधन की लापरवाही का बड़ा मामला सामने आया है। डिलीवरी के बाद नवजात की मौत होने पर उसके शव को अस्पताल में डीप फ्रीजर में रखा गया था। लेकिन सुबह जब बच्ची के शव को परिजनों के सुपुर्द करने के लिए निकाला गया तो उसका शव क्षत विक्षत पाया गया। उसके शरीर को जगह जगह चूहों ने नोंच खाया था। डीएम ने मामले की जांच बैठा दी है। राजेश कुमार पुत्र सुखपाल निवासी ग्राम पिलखुनी ने अतरौली थाने में शिकायत दी है। कहा कि पत्नी सपना देवी को 22 नवंबर को कीर्ति अस्पताल में प्रसव के लिए भर्ती कराया था। देर रात 11 बजे सपना ने पुत्री को जन्म दिया। जिसे अस्पताल के डॉक्टरों ने सुरक्षित बताया। रात करीब 12 बजे डॉक्टर ने बताया कि हम बच्ची को नहीं बचा सके। बच्ची के शव को परिजनों को सौंप दिया फिर उसे वापस लेकर अस्पताल में रख दिया। 23 नवंबर को बच्ची का शव परिजनों को सौंप दिया। शव क्षत विक्षत था। आरोप है कि पूछने पर डॉक्टर अभद्रता करने लगे। कहने लगे आपकी बच्ची जैसी थी वैसी ही है। फौरन अस्पताल का बिल पूरा भरो और बच्ची के शव व उसकी मां को ले जाओ। राजेश कुमार ने बताया कि अस्पताल का पूरा भुगतान करने बाद ही बच्ची का शव सौंपा गया। सीएमओ डाक्टर बीपी सिंह ने कहा कि बच्ची के शव को चूहों ने कुतरा है या नहीं यह जांच का विषय है। शव की पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद भी मामला स्पष्ट होगा। डीएम ने जांच के आदेश दिए हैं। 24 घंटे अंदर मामले की जांच रिपोर्ट दे दी जाएगी। वहीं, जिलाधिकारी चंद्रभूषम सिंह के अनुसार अतरौली क्षेत्र स्थित प्राइवेट कीर्ति हॉस्पिटल की लापरवाही का मामला सामने आया है। मामले की एसडीएम अतरौली व सीएमओ को 24 घंटे के अंदर जांच कर सौंपने के आदेश दिए गए हैं।

खेत में सिंचाई कर रहे किसान पर जानलेवा हमला

बहराइच। बहराइच में खेत में सिंचाई कर रहे किसान पर बुधवार की देर शाम पुरानी रंजिश को लेकर लाठी डंडे से लैस हमलावरों ने हमला कर मारपीट कर घायल कर दिया। हमलावर मौके से फरार हो गए। घायल को नानपारा सीएचसी से मेडिकल कालेज रेफर कर दिया गया है। नानपारा कोतवाली के कलंदरपुरवा नई बस्ती निवासी नसीरूद्दीन पुत्र अमीन अली बुधवार को देर शाम अपने खेत में सिंचाई कर रहे थे। इसी दौरान पुरानी रंजिश को लेकर गांव के ही तकदीर अली सहित 4 लोगो ने खेत में लाठी डंडे से हमला कर घायल कर दिया। वारदात के बाद हमलावर मौके से फरार हो गए। घायल को परिजन आनन फानन में कोतवाली लाए। पुलिस ने उन्हें मेडिकल को नानपारा सीएचसी भेजा। नसीरुद्दीन की तहरीर पर तकदीर अली सहित चार लोगों को नामजद कर मारपीट की धाराओं में केस दर्ज किया गया है।

लापरवाही: बच्ची के शव को कुतर गए चूहे, डीएम ने दिए जांच के आदेश

अलीगढ़। अलीगढ़ में निजी अस्पताल प्रबंधन की लापरवाही का बड़ा मामला सामने आया है। डिलीवरी के बाद नवजात की मौत होने पर उसके शव को अस्पताल में डीप फ्रीजर में रखा गया था। लेकिन सुबह जब बच्ची के शव को परिजनों के सुपुर्द करने के लिए निकाला गया तो उसका शव क्षत विक्षत पाया गया। उसके शरीर को जगह जगह चूहों ने नोंच खाया था। डीएम ने मामले की जांच बैठा दी है। राजेश कुमार पुत्र सुखपाल निवासी ग्राम पिलखुनी ने अतरौली थाने में शिकायत दी है। कहा कि पत्नी सपना देवी को 22 नवंबर को कीर्ति अस्पताल में प्रसव के लिए भर्ती कराया था। देर रात 11 बजे सपना ने पुत्री को जन्म दिया। जिसे अस्पताल के डॉक्टरों ने

सुरक्षित बताया। रात करीब 12 बजे डॉक्टर ने बताया कि हम बच्ची को नहीं बचा सके। बच्ची के शव को परिजनों को सौंप दिया फिर उसे वापस लेकर अस्पताल में रख दिया। 23 नवंबर को बच्ची का शव परिजनों को सौंप दिया। शव क्षत विक्षत था। आरोप है कि पूछने पर डॉक्टर अभद्रता करने लगे। कहने लगे आपकी बच्ची जैसी थी वैसी ही है। फौरन अस्पताल का बिल पूरा भरो और बच्ची के शव व उसकी मां को ले जाओ। राजेश कुमार ने बताया कि अस्पताल का पूरा भुगतान करने बाद ही बच्ची का शव सौंपा गया। सीएमओ डाक्टर बीपी सिंह ने कहा कि बच्ची के शव को चूहों ने कुतरा है या नहीं यह जांच का विषय है। शव की पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद भी मामला स्पष्ट होगा। डीएम ने जांच के आदेश दिए हैं। 24 घंटे अंदर मामले की जांच रिपोर्ट दे दी जाएगी। वहीं, जिलाधिकारी चंद्रभूषम सिंह के अनुसार अतरौली क्षेत्र स्थित प्राइवेट कीर्ति हॉस्पिटल की लापरवाही का मामला सामने आया है। मामले की एसडीएम अतरौली व सीएमओ को 24 घंटे के अंदर जांच कर सौंपने के आदेश दिए गए हैं।

सम्पादकीय

थम गई तेजस

भारत की पहली निजी ट्रेन का संचालन रद्द करने का फैसला जितना चिंताजनक है, उतना ही विचारणीय भी। इंडियन रेलवे कैटरिंग ऐंड टूरिज्म कॉर्पोरेशन लिमिटेड (आईआरसीटीसी) द्वारा संचालित इस ट्रेन के पहिए आज के बाद रुक जाएंगे। लखनऊ-दिल्ली और मुंबई-अहमदाबाद के बीच तेजस एक्सप्रेस के परिचालन को रोकने का निर्णय किया गया है। यह गौर करने वाली बात है कि कोरोना संक्रमण की शुरुआत में लॉकडाउन से पहले ही 19 मार्च को तेजस का संचालन बंद कर दिया गया था। त्योहारों को देखते हुए तेजस एक्सप्रेस का 17 अक्तूबर को परिचालन फिर शुरू किया गया था। अब परिचालन को यात्रियों की कमी की वजह से अगर रद्द करना पड़ रहा है, तो यह विमर्श का गंभीर विषय है। जहां इन्हीं मार्गों पर दूसरी सार्वजनिक ट्रेनों का संचालन आसानी से हो रहा है, वहीं तेजस को अगर यात्रियों की कमी का सामना करना पड़ा है, तो इसके कुछ संकेत बहुत स्पष्ट हैं। पहला संकेत, इन ट्रेनों का संचालन जिस लागत, कीमत और गुणवत्ता के आधार पर होना चाहिए, शायद वैसा नहीं हो पा रहा है। जब सार्वजनिक ट्रेनों की पटरी पर वापसी सामान्य नहीं हो पा रही है, जब ज्यादातर विशेष ट्रेनों के जरिए ही यात्री अपने गंतव्य पर पहुंचने को विवश हैं, तब इन निजी ट्रेनों के पास एक मौका था। वे अपनी सेवा से यात्रियों के दिल में जगह बना सकती थीं। कोरोना के समय सामान्य ट्रेनों में सफर सुरक्षित नहीं माना जाता है, तो क्या तेजस के जरिए यह कोशिश नहीं होनी चाहिए थी कि यात्रा को पूर्ण सुरक्षित बनाया जाता? बेशक, युग कोई भी हो, निजी क्षेत्र को अपनी सेवा गुणवत्ता के जरिए ही आगे बढ़ने में सहूलियत हो सकती है। यदि निजी सेवा को भी सरकारी सेवा की तरह ही चलाया जाएगा और उसकी लागत-कीमत ज्यादा वसूली जाएगी, तो निजी सेवा को जारी रखना आसान नहीं होगा। तेजस का बंद होना एक संकेत है, भारत में निजी क्षेत्र या निजी रेल सेवा वह जरूरी अंतर नहीं पैदा कर सकी, जो उसे अपनी जगह बनाने के लिए करना चाहिए था। कुछ महीने बाद भले तेजस को फिर शुरू कर दिया जाए, लेकिन जिस उम्मीद से तेजस की शुरुआत हुई थी, उसमें नाकामी ही हाथ लगी है। यह सवाल पहले ही उठाया जा रहा था कि महंगी तेजस रेल सेवा को यात्री कहां से मिलेंगे? तेजस के बंद होने से आईआरसीटीसी की छवि को भी नुकसान हुआ है। यह भी कहा जाएगा कि चूंकि आईआरसीटीसी सरकार से जुड़ी इकाई है, इसलिए तेजस पूरी तरह से निजी सेवा नहीं है। तो सवाल यह है कि क्या तेजस को भी सरकारी ढर्रे पर चलाने की कोशिश हुई है और सेवा को आकर्षक बनाए रखने के लिए पर्याप्त प्रयोग या नवाचार नहीं किए गए हैं? तेजस की नाकामी से एक और बात सामने आई है कि निजी क्षेत्र अपने लाभ के लिए ही सक्रिय रहता है और अर्थव्यवस्था व देश जब मुसीबत में हो, तब निजी क्षेत्र अपने हाथ खड़े करने में भलाई समझ लेता है। तेजस से सबक सीखते हुए सार्वजनिक रेल सेवा में ही ज्यादा से ज्यादा सुधार और सुविधा बढ़ाने की जरूरत है। उन्हीं सेवाओं और उपक्रमों को पूरी मुस्तैदी से आगे बढ़ाना चाहिए, जो मुसीबत या जरूरत के समय काम आएं? सार्वजनिक सेवा में निजी क्षेत्र को अपनी जगह बनाने के लिए कुछ अलग ही आदर्श गढ़ने पड़ेंगे।

बदलते समाज में गोद के सवाल

बिभा त्रिपाठी

बच्चों को गोद लेने का पुनीत उद्देश्य तब और फलीभूत होगा जब हम विशेष आवश्यकता वाले बालकों को भी अपनाने के लिए पहल करेंगे। इस पहल को अमलीजामा पहनाने के लिए कानूनी प्रक्रियाओं को आसान बनाए जाने की जरूरत है, ताकि लोग जरूरतमंद बच्चों को गोद लेने के लिए प्रेरित हो सकें।

दत्तक ग्रहण वह प्रक्रिया है जिसके अंतर्गत एक माता-पिता किसी दूसरे माता-पिता, संस्था या राज्य के माध्यम से किसी लड़के या लड़की को गोद लेते हैं और इसके बाद वह लड़का या लड़की अपने नए माता-पिता की विधिक संतान समझे जाते हैं। ज्ञात हो कि पूरे नवंबर महीने को दत्तक ग्रहण माह के रूप में मनाया जाता है, जिसमें लोगों को बच्चों को गोद लेने के लिए जागरूक करने का प्रयास किया जाता है। दत्तक ग्रहण की प्रक्रिया और प्रश्न जितना कानूनी प्रावधानों से बंधा हुआ है, उससे कहीं ज्यादा यह सामाजिक, धार्मिक, आध्यात्मिक, परमार्थवादी और मनोवैज्ञानिक सोच से भी प्रभावित है।

किसी बच्चे को गोद लेने के पहले और उसके बाद अनेक ऐसे सवाल उठते हैं जिनका संभावित उत्तर पाने का प्रयास हर वह व्यक्ति अथवा दंपत्ति करता है जिसने किसी बच्चे को गोद लेने के बारे में सोचा हो। भारत की बहुसंख्यक हिंदू आबादी जहां हिंदू दत्तक ग्रहण एवं भरण पोषण अधिनियम, 1956 के प्रावधानों के तहत गोद ले सकती है, वहीं गैर हिंदू धर्म का कोई व्यक्ति संरक्षक एवं प्रतिपाल्य अधिनियम, 1890 के तहत किसी भी बच्चे का संरक्षकत्व हासिल कर सकता है। इसके अलावा किशोर न्याय देखभाल एवं संरक्षण अधिनियम, 2015 के अंतर्गत किसी भी धर्म या जाति का पुरुष स्त्री अथवा दंपत्ति किसी भी अनाथ परित्यक्त अथवा सौंपे हुए बच्चे को गोद ले सकते हैं। शबनम हाशमी बनाम भारत संघ के मामले में उच्चतम न्यायालय ने यह स्पष्ट कर दिया कि अब कोई भी गैर हिंदू किशोर न्याय देखभाल एवं संरक्षण अधिनियम के तहत किसी भी बच्चे को गोद ले सकता है।

इस अधिनियम की धारा 56 से लेकर 73 तक में दत्तक ग्रहण से संबंधित समस्त प्रावधानों का उल्लेख किया गया है, जिसमें दत्तक ग्रहण का उद्देश्य, भावी दत्तक ग्रहण अभिभावकों की योग्यता, भारतीय भावी अभिभावकों के द्वारा अपनाई जाने वाली प्रक्रिया, दत्तक ग्रहण हेतु किसी प्रतिफल की मनाही एवं प्रतिफल दिए जाने पर दंड दिए जाने की प्रक्रिया, दत्तक ग्रहण का प्रभाव, राज्य एवं केंद्र स्तरीय दत्तक ग्रहण संसाधन अभिकरण के लिए प्रावधान विशेष रूप से उल्लेखनीय हैं।

लेकिन समस्या यह है कि इन तीन प्रकार की विधियों में एकरूपता नहीं है। जहां हिंदू दत्तक ग्रहण एवं भरण पोषण अधिनियम के तहत दत्तक ग्रहण अंतिम और अविखंडनीय हो जाता है यानी किसी भी स्थिति में बच्चे को छोड़ा नहीं जा सकता है, वहीं किशोर न्याय एवं देखभाल अधिनियम के तहत लिए गए बच्चे को अपवाद की परिस्थितियों में वापस भी किया जा सकता है। इसी तरह उम्र को लेकर भी एकरूपता नहीं है। जहां हिंदू दत्तक ग्रहण में बच्चे की उम्र पंद्रह वर्ष से ऊपर नहीं होनी चाहिए, वहीं किशोर न्याय अधिनियम के तहत अठारह वर्ष से कम के बच्चे को गोद लिया जा सकता है। गोद लिए जाने वाले बच्चे की उम्र और गोद लेने की उम्र के बीच भी कम से कम इक्कीस वर्ष का अंतर होना चाहिए।

अब प्रश्न उठता है प्राथमिकता का, यानी कोई भी व्यक्ति जब दत्तक ग्रहण के द्वारा मातृत्व, पितृत्व, अभिभावकत्व अथवा संरक्षकत्व का दायित्व संभालने को तैयार होता है तो वह किसे चुनना चाहता है? पुत्र के रूप में लड़के को, पुत्री के रूप में लड़की को, नवजात शिशु को, या फिर अठारह वर्ष से नीचे के उम्र के किसी भी बालक या बालिका को, या फिर विशेष आवश्यकता वाले किसी दिव्यांग बच्चे को। बच्चों के कल्याणार्थ जो अंतरराष्ट्रीय एवं राष्ट्रीय विधियां व नियम बनाए हैं, उनमें बच्चों के सर्वोत्तम हित को सुनिश्चित करना सबसे ज्यादा महत्त्वपूर्ण है। इनमें यह भी उल्लेखित है कि किसी भी बच्चे को, जो देखभाल एवं संरक्षण की आवश्यकता वाला बच्चा है, सरकारी या गैर सरकारी संरक्षण गृहों में रखने के बजाय एक पारिवारिक वातावरण के अंतर्गत रखा जाना चाहिए। परिवार जैसी सामाजिक संस्था जो सहयोग, समर्पण, सामंजस्य और संवेदनशीलता के आधार स्तंभों पर टिकी होती है, वहां एक बच्चे का सर्वांगीण विकास सुनिश्चित होता है, इसमें कोई संदेह नहीं है।

लेकिन इन सबके बीच जब भारत के अनाथ और परित्यक्त बच्चों का सवाल आता है तो यह एक गंभीर समस्या का अहसास कराता है। संयुक्त राष्ट्र बाल कोष (यूनिसेफ) के आंकड़े बताते हैं कि भारत में अनाथ और परित्यक्त बच्चों की आबादी लगभग तीन करोड़ तक पहुंच चुकी है। चिंता की बात तो यह है कि भारत में उन दंपतियों की तादाद भी बढ़ रही है जो निसंतान हैं या एकल जीवन व्यतीत कर रहे हैं या समलैंगिक समुदाय के हैं।

अपने वंशानुक्रम को जैविक बच्चे के माध्यम से बनाए रखने की पुरातन सोच को चिकित्सकीय तकनीकी प्रगति से बल मिला है और लोग आइवीएफ अथवा सरोगेसी के माध्यम से परिवार को बढ़ा रहे हैं। ऐसे में प्रश्न उठता है कि वर्तमान समय में जो कानूनी प्रावधान हैं और केंद्रीय दत्तक ग्रहण नियामक प्राधिकरण के जो दिशा-निर्देश हैं, उनकी समीक्षा क्यों नहीं की होनी चाहिए। कहीं ये नियम-कानून इतने कठोर तो नहीं हैं कि लोग इन उलझनों में पड़ना ही नहीं चाहते हों। दूसरा महत्त्वपूर्ण प्रश्न दत्तक ग्रहण के प्रभाव का है। जब भी कोई बच्चा गोद लिया जाएगा तो उसके अधिकार एवं कर्तव्य पूर्णरूप से जैविक संतान की भांति ही होंगे। ऐसे में विवाद उत्पन्न होता है संपत्ति के उत्तराधिकार को लेकर। जहां तक हिंदू उत्तराधिकार संशोधन अधिनियम, 2005 की बात है, तो इसमें पुत्र के संबंध में तो कोई विवाद नहीं है। लेकिन गोद ली गई पुत्री को जन्म से सहदायिकी मानने का कोई उल्लेख नहीं है यानी वह पैतृक संपत्ति की अधिकारिणी नहीं मानी जाती है।

इसी साल उच्चतम न्यायालय ने एम. वनजा बनाम एम सरला देवी के मामले में यह सुनिश्चित किया कि एक वैध दत्तक ग्रहण के लिए पत्नी की सहमति एवं दत्तक में बच्चे का देना एवं लेना भी आवश्यक है। इस मामले में जब बेटी द्वारा संपत्ति के विभाजन का दावा किया गया तो माता ने यह तर्क दिया कि इस बच्ची का उसके और उसके मृतक पति के द्वारा केवल पालन-पोषण किया गया था, उसे दत्तक में ग्रहण नहीं किया गया था। न्यायालय ने अपीलार्थी लड़की के पक्ष में निर्णय इसलिए नहीं दिया क्योंकि उसके पास दत्तक ग्रहण का कोई सबूत नहीं था।

समस्या का दूसरा पहलू गोद लिए जाने वाले बच्चे की उम्र का है। आंकड़े बताते हैं कि नवजात शिशुओं को गोद लेने का प्रतिशत ज्यादा है, क्योंकि ऐसे बच्चों का पालन-पोषण करते समय उनके अभिभावक नैसर्गिक अभिभावकत्व का सुख प्राप्त करते हैं। इस साल मार्च के अंत तक कुल तीन हजार पांच सौ इकत्तीस बच्चों को गोद लिया गया जिनमें दो हजार इकसठ लड़कियां थीं। परंतु इसके पीछे का कारण यह नहीं है कि लैंगिक असमानता के मुद्दे पर सोच बदल गई है, बल्कि यह है कि गोद लिए जाने के लिए उपलब्ध बच्चों में लड़कियों की संख्या ज्यादा है। इनमें तीन हजार एक सौ बीस बच्चे पांच साल तक के थे, जबकि पांच से अठारह वर्ष के भीतर के मात्र चार सौ ग्यारह बच्चे थे। गोद लेने के मामले में राज्यों के स्तर पर महाराष्ट्र अग्रणी रहा क्योंकि महाराष्ट्र में लगभग साठ एजेंसियां इस काम में लगी हैं, जबकि अन्य राज्यों में यह प्रतिशत बीस या उससे कम रहा।

बच्चों को गोद लेने का पुनीत उद्देश्य तब और फलीभूत होगा जब हम विशेष आवश्यकता वाले बालकों को भी अपनाने के लिए पहल करेंगे। इस पहल को अमलीजामा पहनाने के लिए कानूनी प्रक्रियाओं को आसान बनाए जाने की जरूरत है, ताकि लोग जरूरतमंद बच्चों को गोद लेने के लिए प्रेरित हो सकें। यहां यह भी उल्लेखनीय है कि दत्तक ग्रहण का अधिकार मौलिक अधिकार नहीं है। किंतु यह एक विधिक अधिकार अवश्य है। इस प्रक्रिया की सफलता निर्भर करती है उस अभिभावक की पुनीत भावना पर, संस्थाओं की निष्पक्षता पर, हितधारकों की निष्ठा पर और समाज की समृद्ध और उदारवादी सोच पर।

अमेरिका के नए राष्ट्रपति जो बाइडेन

77 वर्ष के जो बाइडेन का राजनीतिक कैरियर पांच दशक यानी 50 वर्ष से भी ज्यादा पुराना है। वे 1973 में पहली बार अमेरिका के सांसद बने थे। जो बाइडेन का जन्म 20 नवंबर 1942 को पेंसिल्वेनिया के स्क्रैंटन में हुआ था। जो बाइडेन का पूरा नाम %जोसेफ रॉबिनेट बाइडेन जूनियर% है। इन्हें %मिडिल क्लास जो% भी कहा जाता है।क्योंकि इनका जन्म एक मध्यमवर्गीय परिवार में हुआ और उन्हें अपने जीवन की जरूरतों को पूरा करने के लिए काफी संघर्ष करना पड़ा है। जो बाइडेन चार भाई-बहनों में सबसे बड़े हैं। दस वर्ष की उम्र में जो बाइडेन अपने परिवार के साथ डेलावेयर में शिफ्ट हो गए थे। बचपन में जो बाइडेन बहुत हकलाते थे जिसके कारण उनके सहपाठी उन्हें चिढ़ाया करते थे। लेकिन इसके बावजूद उन्होंने यूनिवर्सिटी आफ डेलावेयर से पॉलिटिकल साइंस और इतिहास की पढ़ाई की। कॉलेज में पढ़ाई के दौरान बहामास में छुट्टियों के समय उनकी मुलाकात अपनी पहली पत्नी नीलिया हंटर से हुई। 25 वर्ष की उम्र में वे राजनीति में आए और 29 वर्ष की उम्र में उन्होंने सीनेट का चुनाव लड़ा। 18 दिसंबर 1972 को उनके जीवन में एक बहुत बड़ी दुर्घटना हुई। एक कार एक्सीडेंट में उन्होंने अपनी पत्नी और 13 महीने की बेटी को खो दिया। उनके बेटे बो और हंटर भी इस दुर्घटना में बुरी तरह घायल हुए थे किंतु इसके बावजूद उन्होंने सीनेट का चुनाव लड़ा और जीत हासिल की।5 जनवरी 1973 को उन्होंने अस्पताल के बेड से ही डेलावेयर के सांसद के तौर पर शपथ ली तब उनके दोनों बेटे भी उनके साथ अस्पताल में ही भर्ती थे। वे इतनी कम उम्र के गिने-चुने सांसदों में से एक थे। पत्नी की मृत्यु के बाद वे अपने बेटों को ज्यादा से ज्यादा समय देना चाहते थे इसलिए वो ट्रेन के जरिए रोज डेलावेयर के वेल्मिंटन से वाशिंगटन तक का 179 किलोमीटर लंबा सफर तय किया करते थे। वह 30 वर्ष तक इसी प्रकार ट्रेन से वाशिंगटन डीसी जाते रहे। परिणाम स्वरूप इस रूट पर कार्य करने वाले रेल के कर्मचारी उनसे इतना घुल मिल गए कि जो बाइडेन अक्सर उन लोगों के साथ ट्रेन में ही पार्टी किया करते थे। जो बाइडेन के नाम पर वेल्मिंटन के रेलवे स्टेशन का नाम भी उन्हीं के नाम पर जो बाइडेन स्टेशन रख दिया गया था। जो बाइडेन पिछले 33 वर्षों से अमेरिका का राष्ट्रपति बनने की कोशिश कर रहे थे। वर्ष 1987 में वे राष्ट्रपति के उम्मीदवार के रूप में खड़े हुए किंतु किसी दूसरे नेता के भाषण की कॉपी करने का आरोप लगने पर उन्हें उम्मीदवार का पद छोड़ना पड़ा। वर्ष 2007 में वो अमेरिका का राष्ट्रपति बनने की रेस में पुनः शामिल हुए किंतु फिर उन्होंने अपनी उम्मीदवारी वापस ले ली, लेकिन इस बार बराक ओबामा के साथ 47 वें उपराष्ट्रपति बनकर व्हाइट हाउस पहुंचने में वो सफल हुए। बाइडेन का 47 वर्ष पुराना कैरियर विवादों से भरा रहा है। वर्ष 1978 में उन्होंने एक विवादित कानून का समर्थन किया था और वर्ष 2002 में उन्होंने इराक युद्ध के समर्थन में अपना वोट डाला था, हालांकि इस साल उन्होंने इसे अपनी गलती माना है?। उन्हें क्रीपी जो कह कर भी बुलाया जाता है। क्रीपी गलत व्यवहार करने वाले व्यक्ति को कहते हैं। बाइडेन पर भी कई महिलाओं के साथ दुर्व्यवहार करने के आरोप लग चुके हैं। वर्ष 1978 में उन पर रंगभेदी होने के भी आरोप लगे थे और वर्ष 1994 में उन्होंने अपराध रोकने के लिए एक विवादित कानून का समर्थन किया, जिसके बारे में कहा जाता था कि इसके जरिए अश्वेतों को निशाना बनाया जाएगा। अमेरिका के 46वें राष्ट्रपति के रूप में चुने गए जो बाइडेन वर्ष 2008 में उपराष्ट्रपति बनने से पहले भारत के साथ मजबूत संबंधों के पक्षधर रहे हैं और अमेरिका की विदेश मामलों की कमेटी का चेयरमैन रहते हुए उन्होंने भारत के साथ संबंधों को लेकर एक विशेष रणनीति भी बनाई थी। वर्ष 2006 में उन्होंने यहां तक कहा था कि उनका सपना है कि वर्ष 2020 तक भारत और अमेरिका सबसे गहरे मित्र बन जाएं। ये बातें उन्होंने तब कही थीं जब वह अमेरिका के उपराष्ट्रपति भी नहीं बने थे?। वर्ष 2008 में भारत और अमेरिका में होने वाली न्यूक्लियर डील में भी जो बाइडेन की बड़ी भूमिका थी, इसके लिए उन्होंने न सिर्फ बराक ओबामा को तैयार किया था जो उस समय सांसद थे बल्कि इसके लिए उन्होंने रिपब्लिकन पार्टी के सांसदों को भी राजी किया था। बाइडेन और ओबामा प्रशासन के दौरान अमेरिका ने पहली बार भारत को अपना बड़ा डिफेंस पार्टनर माना और इसी वजह से भारत को रक्षा के क्षेत्र में नई और एडवांस टेक्नोलॉजी मिलने की राह आसान हुई। पहली बार अमेरिका ने नाटो के बाहर किसी गैर नाटो देश को ये दर्जा दिया था। वर्ष 2016 में जब जो बाइडेन अमेरिका के उपराष्ट्रपति बने तब भारत और अमेरिका के बीच लॉजिस्टिक्स एक्सचेंज मेमोरैंडम ऑफ एग्रीमेंट हुआ था, जिसके बाद अमेरिका और भारत एक दूसरे के रणनीतिक सहयोगी बन गए थे। इस समझौते के बाद भारत और अमेरिका को एक सप्लाई सर्विसिंग और स्पेयर पार्ट्स के लिए एक दूसरे के मिलिट्री बेस इस्तेमाल करने की इजाजत मिल गई थी। आतंकवाद पर भी जो बाइडेन का रवैया काफी सख्त माना जाता है, जो कि भारत के लिए अच्छी बात है लेकिन चीन के मुद्दे पर बाइडेन का रुख अभी साफ नहीं है। इमिग्रेशन और एच-1 वीजा के मुद्दे पर भी बाइडेन संभवतः नर्म रुख अपना सकते हैं।

रंजना मिश्रा
कानपुर,उत्तर प्रदेश

तुलसी विवाह एवम तुलसी महात्म्य

तुलसी दर्शन जो करे नितदिन
सब पाप उसके कट जाते है
अबिरल करें तो तूलसी पूजा
मोक्ष प्राप्त कर जाते हैं
प्रातः उठकर तुलसी को
जो नित्य जल चढ़ाते हैं
खुशियों की मिलती सौगात
दुख दूर हो जाते हैं
आयुर्वेद में तुलसी को
माना जाता संजीवनी समान
जुकाम,खांसी,बुखार और कई
बीमारियों का करती है यह काम तमाम
कार्तिक माह के शुक्ल पक्ष की
एकादशी को देवउठनी मनाई जाती है
तुलसी विवाह का महत्व है इस दिन
बिधि विधान से शादी करवाई जाती है
एक बार गुस्से में माता तुलसी ने
विष्णु को श्राप से पत्थर बना दिया
श्राप से मुक्ति पाने को विष्णु जी ने
शालिग्राम का फिर अवतार लिया
पहले हर घर के आंगन में
तुलसी चौरा होता था
तुलसी की पूजा होती थी
जल चढ़ाया जाता था
जिस घर में अब भी
तुलसी की पूजा की जाती है
उस घर में खुशियां बस्ती हैं
और खुशहाली आती है

रवींद्र कुमार शर्मा
घुमारवीं
जिला बिलासपर हि प्र

धनतेरस के दिन मैंने अपनी मां को खोया

धनतेरस के दिन मैं, परिवार सहित बहुत रोया
क्या बताऊं अपनी व्यथा, उस दिन मैंने अपनी मां को खोया
लोग उस दिन सोना चांदी खरीदे, मैंने मां की अर्थी ढोया
क्या बताऊं अपनी व्यथा, उस दिन मैंने अपनी मां को खोया
लोगों ने दीवाली धूम धाम से मनाया, मैंने सिर पे पगड़ी रस्म की पगड़ी बंधाया
भाईदूज पर बहन के साथ बहुत रोया, चेहरा आसुओं में डुबोया
मां की कमी बहुत महसूस हुई, फिर मैं बहुत रोया
कैसे कटेगी जिंदगी, ये सोच दिल घबराया और रोया
क्या बताऊं अपनी व्यथा, उस दिन मैंने अपनी मां को खोया
क्या बताऊं अपनी व्यथा, उस दिन मैंने अपनी मां को खोया
क्या बताऊं अपनी व्यथा, उस दिन मैंने अपनी मां को खोया

साहित्यकार, कर विशेषज्ञ, कानूनी लेखक, चिंतक, कवि,
एड किशन भावनानी गोंदिया महाराष्ट्र

जादू की कोई छड़ी नहीं वैक्सीन

उम्मीदें अभी से बांधी जाने लगी हैं, शेयर बाजार तो जैसे बल्लियों उछल रहे हैं, यह बात अलग है कि कोविड-19 के वैक्सीन को आने में अभी कम से कम दो महीने का समय लग सकता है। अभी बस इतना ही है कि इन्हें बनाने वाली कंपनियों ने अपने वैक्सीन के प्रभाव पर लंबे-चौड़े दावे करने शुरू कर दिए हैं। ज्यादा उम्मीद यही है कि नए साल का स्वागत करने के बाद ही वैक्सीन के स्वागत की घड़ी आएगी। विशेषज्ञ चेतावनी दे रहे हैं कि बहुत ज्यादा उम्मीदें मत बांधें। वैक्सीन कोई जादू की छड़ी नहीं है कि इधर वह आया और उधर कोरोना वायरस अपना बोरिया-बिस्तर समेटने लगा। ज्यादातर की राय यही है कि वैक्सीन कितना भी कारगर क्यों न हो, यह वायरस इतनी जल्दी जाने वाला नहीं है और इस दरम्यान हमें उसके साथ जीना सीखना होगा। वैसे कोई वैक्सीन कभी भी जादू की छड़ी नहीं रहा। अगर हम चेचक के टीके को ही लें, जो दुनिया का पहला वैक्सीन भी था, उसकी खोज एडवर्ड जेनर ने 1796 में ही कर ली थी, लेकिन दुनिया को चेचक से मुक्त होने में लगभग दो सदी का वक्त लग गया। और इस दौरान चेचक लगातार सबसे ज्यादा परेशान करने वाली महामारी बनी रही। 1967 तक न सिर्फ पूरी दुनिया में इस वैक्सीन को स्वीकार किया जाने लगा था, बल्कि इसका बड़े पैमाने पर इस्तेमाल भी होने लगा था।

इन्द्र धनुष

अक्सर देखा है बारिशों के बाद,
धूप में चमकती बूंदों की रास।
बादलों के बीच से झांक कर,
रंगो के मोह पाश में बांध कर।
लल काला हरा, जामुनी, बैंगनी,
नीला, पीला और नारंगी।
सात दिनों के जैसे ये सात रंग,
अलग होकर भी रहें संग- संग।
आसमान में रंगों की लीला देखते,
टकटकी लगाकर अचरज में पड़ते।
कुछ पल के लिए बस रहते हैं,
फिर मिलकर एक में खो जाते हैं।
इंद्रधनुष के यह सातों रंग,
जीवन में सबके हैं यह ख़ास रंग।
रंग ये सात से सत्तर बनते,
बेरंगीन दुनिया में रंग भरते।

डा. शीला चतुर्वेदी,%शील% प्रधानाध्यापक,
प्रा0वि0बैरौना,देवरिया सदर,देवरिया,उ0प्र0

ग़ज़ल

यूँ चेहरे से ना जानिये मेरा किरदार
मिजाज से बहुत सख्त लड़का हूँ
उम्र से बहुत कम ही सही मगर
मिशाल -ए - दरख़्त लड़का हूँ
उसकी मुस्कुराहट पर फिसल गया
वगरना यूँ तो करख्त लड़का हूँ
लौट आता हूँ रोज बिना चूमे उसे
दौर-ए-इश्क़ में कितना सख्त लड़का हूँ
यूँ तो तमाम कफ़स तोड़ आया हूँ
उसकी आँखों में क़ैदसख्त लड़का हूँ
मैं मुश्किल बना हुआ हूँ सबकी
कहने को तो यूँ लख्त लड़का हूँ
मुस्कुरा लेता हूँ बज्म-ए-जाना मैं
अहद-ए-जीस्त में दुख्त लड़का हूँ
उलफ़्तों से बनी है पेशानी मेरी
वक्त के हाथों दमपुख्त लड़का हूँ
जिसे जितनी जरूरत थी ले गया
बाजार-ए-बेबसी में फरोख्त लड़का हूँ
सबको जीतकर उसे हारा हूँ ÷बाज़÷
सोचो कितना बदबख्त लड़का हूँ

कै. एस. राठौड़
लेखक परिचय
नाम– कैलाशसिंह राठौड़

अमीर और गरीब बच्चों के सपने

अमीर के बच्चे परिड्डश्रम करते हैं,
तो गरीब के बच्चे भी परिश्रम करते हैं
दोनों अहोरात्र विद्याम्यास करते हैं,
वे दोनों अपने स्वप्न को साकार करने,
मात-पिता के अरमानों को,
साकार करने अमीर के बच्चे बड़े-बड़े शहरों में,
बड़े-बड़े संस्थानों में पढ़ने जाते हैं,
किंतु निर्धन के बच्चे गांव में ही रहकर पढ़ते हैं,
अमीर के बच्चे आईआईटी की तैयारी करते हैं,
कोई सिविल सेवा की तैयारी करते हैं,
गरीब बच्चों की माली हालत अच्छी नहीं होती,
जिनको खाने को खुद लाले पड़े हो,
उनके सपने बहुत छोटे होते हैं,
एक निर्धन लोग कहां से लाकर,
इस तिलिस्मी संसार में,
अपने बच्चों को महंगे संस्थान में
पढ़ने के लिए कैसे भेजेंगे,
जिनकी मासिक सैलरी पंद्रह सौ हो,
ये दुनिया तो अमीरों के लिए है,
जहाँ देखो वहाँ मिलेंगे महंगे सामान,
यहाँ तक तो सब्जी की कीमत,
आसमान पर होती है,
तो संस्थान की कीमत सातवें,
आसमान पर होती होगी,
परंच जितने सपने अमीरों के होते हैं
उतने सपने गरीबों के भी होते हैं,
अगर अमीर बच्चों के सपने साकार नहीं हुए,
वे तो पैसे से सपने को खरीद लेते हैं,
निर्धन के बच्चे कहां से मोटी रकम लाएंगे,
अगर गरीब बच्चों के सपने साकार नहीं हुए,
तो फांसी के फंदे पर स्वयं लटक जाते हैं,
अंत्यस्वप्न एक यही होते फांसी के फंदे,
ये सपने तो गरीबों के साकार हो जाते हैं।।

मो. जमील
अंधराठाढ़ी, मधुबनी (बिहार)

आज भी प्रेम तरंगित है

न जाने कैसा प्रेम था वह,
जिसका अनुवाद,
आज भी तरंगित हैं!
आज भी बेला का फूल ख्वाबों में,
खिल उठता है उसकी मुस्कान से।
न जाने कैसा स्पर्श था वो,
जो आज भी देह पर अंकित है।
उसका प्रीत का स्पर्श आज भी,
मुझे हरसिंगार सा महका जाता है।
न जाने कैसे थे वो मीठे बोल
जो आज भी कायनात में गूँज रहा।
जब कभी मन अकेला हो तो,
याद कर उसके गीत मैं
गुनगुना उठती हूँ।
न जाने कैसा था वो प्रेम।

डिम्पल राकेश तिवारी,वरिष्ठ गीतकार कवयित्री
व स्वतन्त्र लेखिका,अवध यूनिवर्सिटी चौराहा,

नोरा फतेही लगातार अपने डांसिंग और फनी वीडियोज अपलोड करती रहती है।

नोरा फतेही के इंस्टाग्राम पर हुए 20 मिलियन फॉलोवर्स

बॉलीवुड की हॉट और ग्लैमरस एक्ट्रेस नोरा फतेही ने अपने टैलेंट के चलते बॉलीवुड में एक अलग पहचान बनाई है । नोरा फतेही सोशल मीडिया के सहारे अपने फैन्स को खूब एंटरटेन करती हैं । बॉलीवुड में अपने धमाकेदार डांस से सबको हैरान करने वाली नोरा सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं औ? लगातार अपने डॉसिंग और फनी वीडियोज अपलोड करती रहती है। यही वजह है कि सोशल मीडिया पर नोरा की अच्छी फैन फोलोइंग है। इसी बीच इंस्टाग्राम पर उनके फॉलोअर्स बढ़कर 20 मिलियन हो गए हैं। इसी मौके पर नोरा फतेही ने खुशी का इजहार करते हुए एक वीडियो पोस्ट किया है। दिलबर गर्ल नोरा फतेही नोरा वीडियो पोस्ट करके फैन्स को सपोर्ट करने के लिए शुक्रिया कहा है। पोस्ट में कैप्शन लिखा है, वाह, हमने कर दिखाया। मेरी इंस्टा फैमिली और जिसने हमेशा मेरा सपोर्ट किया उसको थैंक यू। लव यू गाइज, ये तो बस शुरूआत है।

बता दें कि बॉलीवुड की सुपर सेंसेशन एक्ट्रेस नोरा फतेही नोरा फतेही की डॉसिंग का हर कोई दिवाना है ।नोरा अपने फैंस का दिल अच्छी तरह जीत चुकी हैं। कई बॉलीवुड फिल्मों में भी नोरा फतेही ने अपने डांस से धमाल मचाकर रख दिया था। नोरा फिलहाल बॉलीवुड की नंबर वन डांसर हैं। आजकल उनके आइटम डांस के बगैर कम ही फिल्में रिलीज होती हैं। बता दें कि हाल ही में नोरा नाच मेरी रानी गाने की वजह से सुर्खियों में रहीं। अपने इस सॉन्ग के लिए उन्हें तारीफें भी मिलीं। गाने में नोरा फतेही रोबोट बनी नजर आई थीं। बी टाऊन की डांसिंग सेंसेशन बन चुकी नोरा बहुत जल्द फिल्म भुज द प्राइड ऑफ इंडिया में नजर आएंगी।

अब सुहाना खान ने इंस्टाग्राम पर एक मजेदार पोस्ट शेयर किया है। इसके साथ ही सुहाना ने बताया कि वह अपनी कजिन आलिया छिब्बा को बहुत याद रही रही हैं।

सुहाना खान ने बहन आलिया संग शेयर की अपनी ग्लैमरस फोटो

सुपरस्टार शाहरुख खान की बेटी सुहाना खान सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। वह अक्सर दोस्तों और फैमिली फोटोज शेयर करती रहती हैं। अब सुहाना खान ने इंस्टाग्राम पर एक मजेदार पोस्ट शेयर किया है। इसके साथ ही सुहाना ने बताया कि वह अपनी कजिन आलिया छिब्बा को बहुत याद कर रही हैं। सुहाना खान ने इंस्टा स्टोरी पर आलिया छिब्बा के साथ अपनी एक फोटो शेयर की है। तस्वीर में दोनों पोज देते नजर आ रहे हैं। फोटो में सुहाना खान ब्लू और व्हाइट ड्रेस में नजर आ रही हैं। वहीं, उनके बगल में खड़ी आलिया व्हाइट टॉप और डार्क पैन्ट पहने दिख रही हैं। तस्वीर शेयर करते सुहाना खान ने कैप्शन में लिखा, फोटो में मेरा सिर कट रहा है क्योंकि मैं लंबी हूं। मिस यू आलिया छिब्बा। मालूम हो कि सुहाना खान सोशल मीडिया के जरिए कई मुद्दों पर अपनी राय खुलकर रख चुकी हैं। एक मुद्दा जो उनके दिल के करीब है। वह है- रंगभेदभाव। हाल ही में सुहाना ने इस मामले पर अपने विचार रखते हुए एक लंबी पोस्ट लिखी थी। उन्होंने लिखा, अभी बहुत कुछ चल रहा है और यह उन मुद्दों में से एक है जिसे हमें ठीक करने की आवश्यकता है। यह सिर्फ मेरे बारे में नहीं है, यह हर उस यंग लड़की या लड़के के बारे में है जो बिना किसी कारण के हीन भावना से ग्रस्त हो गया है। मेरे बारे में कुछ कमेंट्स किए गए। उन्होंने आगे लिखा था, जब तक मैं 12 साल की नहीं हो गई, मुझे स्किन टोन के कारण बदसूरत बताया गया है। हम सभी भारतीय हैं, जो पैदाइशी भूरे रंग के होते हैं। हां हम अलग-अलग शेड्स के हैं, लेकिन इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि आप आंखों से खुद को दूर करने की कितनी कोशिश करते हैं, आप बस नहीं कर सकते।

शिल्पा शेट्टी ने गार्डन से तोड़े नींबू साथ में दिया जिंदगी जीने का सॉलिड मेसेज

शिल्पा शेट्टी घर से बाहर हों या सोशल मीडिया पर, उनकी मौजूदगी सुर्खियों में रहती है। वह अपनी डेली लाइफ से जुड़े कई पोस्ट करती रहती हैं। उनके खाने के वीडियोज हों, फैमिली या फिर योगा के सारे वीडियोज फैन्स काफी पसंद करते हैं। अब सोशल मीडिया पर उन्होंने अपने गार्डन का एक और वीडियो पोस्ट किया है। शिल्पा अक्सर सोशल मीडिया पर इंस्पायरिंग पोस्ट करती हैं। उन्होंने इस वीडियो के साथ मोटिवेशनल मेसेज भी लिखा है। शिल्पा ने लिखा है, जिंदगी खूबसूरत है... हर सिचुएशन को बेस्ट बनाइए। उन्होंने जो वीडियो पोस्ट किया है, उसमें वह अपने गार्डन से नींबू तोड़ती नजर आ रही हैं। साथ में फ्रेज बोलती हैं, जिंदगी अगर आपको नींबू (खट्टे अनुभव) दे तो उसका भी लेमनेड बना लीजिए। हाल ही में शिल्पा और उनके पति राज कुंद्रा ने अपनी शादी की 11वीं सालगिरह का जश्न मनाया था। दोनों सोशल मीडिया पर एक-दूसरे के लिए पोस्ट शेयर किए थे। वहीं उनकी बेटी समीशा का सामना पहली बार पपराजी से हुआ था। उनके कई प्यारे फोटोज सामने आए थे।

भूमि पेडनेकर की हॉरर फिल्म दुर्गामती का ट्रेलर जारी

अमेजन प्राइम वीडियो ने अपनी आगामी थ्रिलर फिल्म दुर्गामती का ट्रेलर रिलीज कर दिया है, जिसमें भूमि पेडनेकर मुख्य भूमिका निभा रही हैं। इस फिल्म में माही गिल, जीशु सेनगुप्ता, करण कपाड़िया और अरशद वारसी जैसे सितारे काम करते नजर आएंगे। फिल्म में भूमि पेडनेकर एक सरकारी अधिकारी की अनूठी भूमिका में नजर आएगी जो एक भयावह साजिश का शिकार बन जाती है। फिल्म दुर्गामती के ट्रेलर में साजिश, ड्रामा और हॉरर का तड़का नजर आ रहा है। इस फिल्म को भारत सहित 200 देशों में 11 दिसंबर से देखा जा सकता है। यह फिल्म अशोक द्वारा लिखित और निर्देशित है और विक्रम मल्होत्रा द्वारा निर्मित है जिसे भूषण कुमार की टी-सीरीज बैनर के साथ-साथ अक्षय कुमार द्वारा केप ऑफ गुड फिल्म्स बैनर के तहत प्रस्तुत किया गया है। इससे पहले फिल्म का नाम दुर्गावती था जिसे बदलकर दुर्गामती कर दिया गया। गौरतलब है कि यह फिल्म हिट तेलुगु फिल्म भागमथी की रीमेक है। इसमें अनुष्का शेट्टी ने अहम भूमिका निभाई थी। फिल्म की कहानी एक महिला आईएएस अधिकारी के इर्द-गिर्द घूमती है, जिसे एक मरी हुई रानी के भूत का सामना करना पड़ता है। फरवरी में अरशद का फिल्म में वेलकम करते हुए भूमि ने लिखा था, आपका स्वागत है अरशद वारसी सर, मैंने आपकी सालों से फैन रही हूं और आखिरकार आपके साथ काम करने का मौका मिलने पर उत्साहित हूं। फिल्म का हिस्सा बनने के लिए शुक्रिया।

सोनू सूद से मिलने बिहार से साइकिल चलाकर मुंबई आ रहा था फैन, एक्टर ने सुनी ये बात तो फ्लाइट से बुलवाया मुंबई

लॉकडाउन के दौरान प्रवासी मजदूरों की मदद करने वाले सोनू सूद की पॉपुलैरिटी इस कदर बढ़ गई है कि लोग उनसे मिलने हजार किलोमीटर का सफर करके मुंबई आने को तैयार हैं। हाल ही में एक फैन ने कुछ ऐसा ही किया। अरमान नाम का एक युवक बिहार से सोनू से मिलने के लिए साइकिलिंग करके मुंबई आने के लिए चल निकला। जैसे ही सोनू को ये बात पता चली उन्होंने अरमान को ऐसा करने से रोका। सोनू ने अरमान से तुरंत कॉन्टैक्ट किया और उन्हें कहा, देखो ऐसा मत करो। तुम मिलना चाहते हो, जरूर मिलो लेकिन ऐसे नहीं। अरमान साइकिल से वाराणसी तक पहुंच गया था। सोनू ने उसे अपने खर्चे पर फ्लाइट से मुंबई बुलाया है और उसे होटल में स्टे करवाकर वह उससे जरूर मिलेंगे। इसके बाद उसे पटना वापस भेज देंगे। एक वेबसाइट से बातचीत में सोनू ने कहा, सिर्फ अरमान ही नहीं बल्कि उसकी साइकिल भी मुंबई लाई जाएगी और फिर उसके साथ ही वापस भेज दी जाएगी। इतनी कीमती चीज को भला कैसे छोड़ सकते हैं। सोनू ने कहा कि अरमान से मिलने के लिए उन्हें वक्त तलाशना पड़ेगा क्योंकि इस समय वह जरूरतमंदों की मदद करने में बेहद बिजी हैं। इससे पहले सोनू सूद की तस्वीर भगवान के मंदिर में लगाए हुए एक फैन का वीडियो भी सामने आया था। जिसमें वह उनकी पूजा करता हुआ दिख रहा है। हालांकि, सोनू ने इस वीडियो को शेयर करते हुए लिखा कि मेरी जगह यहां नहीं आपके दिलों में होनी चाहिए। हालांकि, सोनू के फैन्स इस वीडियो पर लगातार अपनी राय रख रहे हैं। सोनू की जबरदस्त पॉपुलैरिटी को देखते हुए ही चुनाव आयोग ने सोनू को पंजाब का स्टेट आइकन बनाया है। सोनू अब पंजाब में चुनाव से जुड़ी जागरूकता फैलाते नजर आएंगे। इस नई जिम्मेदारी के बारे में पंजाब के गवर्नर ने भी सोशल मीडिया पर शेयर किया था। गवर्नर वीपी सिंह ने लिखा था-मैं सोनू सूद को बधाई देता हूं कि उन्हें चुनाव आयोग ने राज्य का आइकन बनाया है। अब वे एथिकल वोटिंग के लिए लोगों को जागरुक करेंगे। कोरोना काल में आपके प्रयासों की काफी सराहना हुई।

रिलेशनशिप में हैं आमिर खान की बेटी इरा खान

बॉलीवुड एक्टर आमिर खान की बेटी इरा खान रिलेशनशिप में हैं। वह पिता के फिटनेस कोच नुपुर शिखर को डेट कर रही हैं। लेटेस्ट रिपोर्ट्स की मानें तो नुपुर ने सोशल मीडिया पर पोस्ट के जरिए फैन्स को हिंट दिया है। पिछले साल इरा खान की फोटोज और वीडियोज एक्स-ब्वॉयफ्रेंड मिशाल क्रिपलानी संग खूब वायरल हुई थीं। अब नुपुर संग इरा की फोटोज इशारा कर रही हैं कि उन्हें दोबारा प्यार हुआ है। बता दें कि इरा खान ने फिल्म डेब्यू तो अभी तक नहीं किया है, लेकिन थिएटर और डायरेक्शन में वह आगे बढ़ रही हैं। पिंकविला की रिपोर्ट के मुताबिक, इरा खान और नुपुर शिखर लॉकडाउन के समय से एक-दूसरे को डेट कर रहे हैं। दोनों की नजदीकियां तब बढ़ीं जब इरा खान ने फिटनेस की ओर रुख किया। हाल ही में इरा और नुपुर वेकेशन के लिए महाबलेश्वर, खान फार्महाउस पहुंचे थे। दोनों ने एक-दूसरे की मम्मी से भी मुलाकात कर ली है। कहा जा रहा है कि दोनों काफी सीरियस रिलेशनशिप में हैं। अभी तक आमिर खान की पहली पत्नी और इरा खान की मां रीना दत्ता का इसपर कोई रिएक्शन नहीं आया है, लेकिन नुपुर की मां की पोस्ट पर इरा खान काफी एक्टिव होकर कॉमेंट करती हैं। दरअसल, हाल ही में नुपुर ने अपनी मां की एक फोटो शेयर की थी, जिसपर इरा ने काफी खूबसूरत कॉमेंट किया। इरा को रिप्लाई करते हुए नुपुर ने भी किस वाले इमोजी बनाए। हालांकि, इरा खान ने अपनी सोशल मीडिया प्रोफाइल पर दोनों की साथ में कोई फोटो शेयर नहीं की है, लेकिन नुपुर इसमें पीछे नहीं हैं। उन्होंने दोनों की एक प्यारी-सी तस्वीर शेयर की हैं। कैप्शन में लिखा, क्योंकि हम दोनों को तैयार होना पसंद है और मुस्कुराना भी। इसपर इरा ने लिखा, हां, ये तो बात है हम दोनों के साथ, मानती हूं मैं। बता दें कि नुपुर शिखर सेलिब्रिटी फिटनेस कोच हैं। इस समय वह आमिर खान, इरा खान और सुष्मिता सेन को ट्रेन कर रहे हैं।

ब्वॉयफ्रेंड पुलकित सम्राट से शादी करने पर आया कृति खरबंदा का रिएक्शन

फिलहाल करियर पर फोकस कर रहे हैं शादी दूर है

हाल ही में रिलीज हुई फिल्म तैश में साथ नजर आ चुके पुलकित सम्राट और कृति खरबंदा पिछले डेढ़ साल से एक दूसरे को डेट कर रहे हैं। फिलहाल दोनों मुंबई में ही लिव इन रिलेशन में हैं। दोनों को साथ देखकर हर फैन का सवाल है कि आखिर ये लव बर्ड कब शादी करेंगे मगर अब लगता है कि फैंस को थोड़ा लंबा इंतजार करना होगा। कृति की मानें तो दोनों फिलहाल अपने फिल्मी करियर पर फोकस कर रहे हैं ऐसे में शादी की कोई प्लानिंग नहीं है।

खुद को लक्की मानती हूं: कृति

कृति खरबंदा मलेरिया से रिकवर होने के बाद अपने ब्वॉयफ्रेंड पुलकित के साथ ट्रिप पर गई थीं। 4 नवम्बर को पुलकित ने कृति को ट्रिप का तोहफा दिया था। इसपर एक्ट्रेस ने मुंबई मिरर से कहा, इस ट्रिप ने हमें एक दूसरे को समझने का और बेहतर मैक दिया। मैं खुद को लक्की महसूस करती हूं कि मुझे पुलकित जैसा कोई मिला जो ये निर्धारित करता है कि मेरे चेहरे पर हमेशा मुस्कान रहे। मैं भी उसके लिए यही करने की कोशिश करती हूं। मुझे इस बात की खुश है कि वो खुद के लिए बहुत सच्चा है और सेल्फ लव का ब्रांड एंबेसडर बन सकता है।

हमारा शादी को कोई प्लान नहीं है

शादी की प्लानिंग पर कृति बताती हैं, हम पिछले डेढ़ साल से एक दूसरे को डेट कर रहे हैं लेकिन हमने अब तक शादी पर कोई चर्चा नहीं की और ना ही हम जल्द शादी करने का सोच रहे हैं। हम फिलहाल अपने-अपने करियर पर ही फोकस कर रहे हैं। शादी हमारे लिए दूर का सपना है। कृति खरबंदा ने हाल ही में अपना 30वां जन्मदिन मनाया है। इस खास मौके पर पुलकित ने उन्हें स्पेशल बर्थडे विश दी थी। एक्ट्रेस की तस्वीर शेयर करते हुए पुलकित ने उनका बर्थडे ग्लो भी दिखाया। इसके जवाब में कृति ने लिखा, मेरा सबसे स्पेशल बर्थडे, सबसे स्पेशल मेमोरी के साथ। सभी का धन्यवाद। मेरा एक हिस्सा इसे दुनिया को दिखाना चाहता है और दूसरा हिस्सा इसे थोड़ा सीक्रेट रखना चाहता है। पूरी तरह से मेरा।

अब कमजोर पड़ रहा निवार, कहां-कब टकराया तूफान, बारिश से जीवन अस्त-व्यस्त

चेन्नई। चक्रवाती तूफान निवार बुधवार की आधी रात बाद तमिलनाडु और पुदुचेरी में समुद्र तट से टकराया। अत्यंत भीषण चक्रवाती तूफान निवार की वजह से तमिलनाडु-पुदुचेरी में भीषण बारिश हुई और जिंदगी अस्त-व्यस्त हो चुकी है। निवार के लैंडफॉल के दौरान भी तेज हवाओं के साथ भीषण बारिश हुई और अभी भी चेन्नई, महाबलीपुरम समेत कई शहरों में भारी बारिश जारी है। हालांकि, चक्रवाती तूफान निवार की रफ्तार अब कमजोर पड़ गई है। मौसम विभाग ने बताया कि इस तूफान की कैटेगरी अब बहुत भीषण चक्रवाती तूफान से भीषण चक्रवाती तूफान हो गई है।

गुरुवार तड़के मौसम विभाग ने बताया कि चक्रवाती तूफान निवार कमजोर हो गया है और अब यह बहुत भीषण चक्रवाती तूफान से भीषण चक्रवाती तूफान में तब्दील हो गया है। निवार ने पुडुचेरी के नजदीक तट को पार कर लिया है। इससे पहले बुधवार को तमिलनाडु के महाबलिपुरम में चक्रवात निवार की लैंडफॉल प्रक्रिया के दौरान तेज हवाएं देखने को मिलीं। इसके अलावा,

पुडुचेरी में भी तेज़ हवाएं और भारी वर्षा हुई। मौसम विभाग ने ट्वीट कर बताया कि इसके साथ चक्रवात की गति भी कम हो गई है। बहुत गंभीर चक्रवाती तूफान निवार अब एक गंभीर चक्रवाती तूफान में कमजोर हो गया है। निवार तूफान का केंद्र भूमि पर स्थित है। तूफान 25 नवंबर की रात 11:30 बजे से 26 नवंबर की रात 2:30 बजे के बीच पुडुचेरी के पास तट को पार किया। रात 2.30 बजे तक इस चक्रवात निवार की रफ्तार 100 किलोमीटर प्रति घंटा से 110 किलोमीटर प्रति घंटा रही। मौसम विभाग के मुताबिक, अगले छह घंटे में ये चक्रवाती तूफान उत्तर और उत्तर पश्चिम दिशा की ओर बढ़ता रहेगा और आगे जाकर कमजोर पड़ जाएगा। लैंडफॉल के दौरान तमिलनाडु के महाबलीपुरम में तेज रफ्तार के साथ हवाएं चल रही थीं। पिछले 6 घंटे में निवार तूफान 16 किलोमीटर प्रतिघंटे की रफ्तार से आगे बढ़ रहा था। अधिकारियों के अनुसार, पूरे तमिलनाडु में एक लाख से अधिक लोगों को निकाला गया है और 1,000 से अधिक लोगों को पुडुचेरी में सुरक्षित स्थानों पर स्थानांतरित किया गया है। भारतीय नौसेना ने बुधवार को जहाज, विमान, हेलीकॉप्टर, डाइविंग और आपदा राहत टीमों को स्टैंडबाय पर रखा था। आपदा राहत वस्तुओं के साथ एक भारतीय तटरक्षक पोत को चेन्नई तट पर भी तैनात किया गया है।

सोते हुए भाई-भाभी और भतीजे पर

पेट्रोल डालकर जिंदा जलाया और फिर खुद फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली

भोपाल। मध्य प्रदेश के अनूपपुर में बड़ी घटना सामने आई है, जहां दीपक नामक युवक ने पारिवारिक विवाद के कारण बीती रात करीब 1:30 से 2:00 के बीच अपने ही सगे भाई-भाभी और दो बच्चों को पेट्रोल डालकर जिंदा जला दिया है और उसके बाद वह खुद भी फांसी के फंदे पर झूल कर खुदकुशी कर ली है।

बताया जा रहा है कि दीपक का अपने भाई के साथ विवाद था जिसके चलते वो हमेशा परेशान रहता था। मामला अनूपपुर जिले के जैतहरी थानांतर्गत ग्रामपंचायत धनगवां के पिपरहा टोला का है जहां में एक ही परिवार के तीन लोग जल कर खाक हो गए। तो वहीं दूसरे कमरे में मृतक ओमकार के भाई दीपक विश्वकर्मा उम्र लगभग 31 वर्ष ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। एक बालक जिसकी उम्र लगभग 18 वर्ष है जिसे उसके चाचा चेतराम विश्वकर्मा बगल में

सो रहे थे शोर शराबा सुन कर दरवाजा तोड़ कर बाहर निकाला जिसको शहडोल के लिए रिफर कर दिया जो बुरी तरह जल चुका है। जलकर मरने वालों में पिता ओमकार उम्र 46 वर्ष, पत्नी कस्तूरिया बाई 40 वर्ष, बेटी निधी विश्वकर्मा उम्र 16 वर्ष शामिल हैं, जिनको पहचानना बहुत मुश्किल हो रहा है। अगर पूरे मामले को समझे तो गांव वालों का कहना है कि दीपक विश्वकर्मा ने ही बाहर से दरवाजा बंद करके अपने सो रहे भाई के परिवार के दरवाजे में केरोसिन डाल कर आग लगा दिया और खुद दूसरे कमरे में फांसी लगा आत्महत्या कर ली है। वहीं अब पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है।

राहुल गांधी ने वायनाड में बाढ़ पीड़ितों के लिए भेजी थी राहत सामग्री

खाली दुकान में बंद मिले पैकेट्स

तिरुवनंतपुरम। वायनाड से सांसद और पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी की ओर उपलब्ध कराए गए बाढ़ राहत सामग्री के हजारों पैकेट्स फेंके मिले हैं। ये पैकेट्स मल्लापुरम जिले के निलांबुर स्थित एक खाली दुकान में पड़े मिले हैं। आपराधिक अपशिष्ट ने स्थानीय निवासियों और वाम नेताओं ने इसकी आलोचना की है। फजीहत होने के बाद जिला कांग्रेस अध्यक्ष वीवी प्रकाश ने जांच के आदेश दिए हैं। राहुल गांधी की तस्वीर और बोल्ड लेटर्स में एमपी लिखे हुए सड़े गले फूड पैकेट्स एक खाली दुकान में पड़े मिले, जिसे कई महीनों बाद खोला गया था। डीडीसी प्रेजिडेंट ने कहा, हमें आइडिया नहीं कि क्या

हुआ। यह बहुत ही दुर्भाग्यपूर्ण है। लेकिन जो जिम्मेदार हैं उन्हें नहीं छोड़ा जाएगा। डीडीसी प्रेजिडेंट ने कहा कि उन्होंने इसको लेकर प्रदेश नेतृत्व को भी जानकारी दी है। पिछले मॉनसून में भारी बारिश के बाद वायनाड में कई भूस्खलन हुए थे। 2019 लोकसभा चुनाव में इस सीट से जीते कांग्रेस नेता ने बाढ़ और भूस्खलन से प्रभावित लोगों की मदद के लिए काफी सक्रियता दिखाई और फूड किट्स के साथ संसदीय क्षेत्र में पहुंचे थे। बुधवार को करीब एक ट्रक फूड किट्स फेंके हुए पाए गए। बाद में सीपीआई (एम) कार्यकर्ताओं ने एक विरोध रैली निकाली और कहा कि कांग्रेस नेताओं ने जानबूझकर यह किया। नीलांबुर विधायक पीवी अनवर ने कहा, कई ऐसे सामान कई जगहों पर पड़े हुए थे। यह आपराधिक लापरवाही है। ये किट्स बाढ़ प्रभावित लोगों के लिए थे। इसने कांग्रेस नेताओं को एक्सपोज कर दिया है।

एलएसी पर तनाव के बीच चीन का युद्ध राग, जिनपिंग का सेना को आदेश- जंग जीतने की अपनी क्षमता बढ़ाओ

बीजिंग। पूर्वी लद्दाख में सीमा को लेकर भारत और चीन के बीच तनाव जारी है। दोनों देशों में जारी तनातनी के बीच चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने सशस्त्र बलों को वास्तविक युद्ध की परिस्थितियों में प्रशिक्षण को मजबूत करने और युद्ध जीतने की अपनी क्षमता बढ़ाने का आदेश दिया। सत्तारूढ़ कम्युनिस्ट पार्टी ने पीपुल्स लिबरेशन आर्मी (पीएलए) को 2027 तक अमेरिकी सेना के बराबर क्षमता की बनाने की योजना बनाई है।शी जिनपिंग ने कहा कि सेना को युद्ध जीतने के स्तर वाले प्रशिक्षण पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए। हाल ही में उन्होंने इस बात पर जोर दिया था कि अगर पीएलए खुद को अन्य अग्रणी शक्तियों की बराबरी में पहुंचने के लिए एक आधुनिक युद्धक शक्ति में बदलना चाहती है तो उसे कृत्रिम बुद्धिमत्ता जैसी अत्याधुनिक तकनीकों को अपनाना चाहिए। सत्तारूढ़ कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ चाइना (सीपीसी) का नेतृत्व करने और लंबे समय से राष्ट्रपति के पद पर विराजमान 67 वर्षीय शी, सेंट्रल मिलिट्री कमीशन (सीएमसी) के अध्यक्ष भी हैं, जो देश के 20 लाख सैनिकों की क्षमता वाली सेना का सर्वोच्च कमान है।

नौकरी के पहले दिन से कोरोना मरीजों की जान बचाते बचाते खुद जिंदगी की जंग हार गए डॉक्टर शुभम

भोपाल। कोरोना महामारी का प्रकोप एक बार फिर से देश में फैल रहा है। कोविड वॉरियर लगातार लोगों की जान बचाने के लिए अपनी जान को दाव पर लगा रहे हैं। हाल ही में एमपी के सागर स्थित सरकारी बुंदेलखंड मेडिकल कॉलेज के 26 वर्षीय चिकित्सक शुभम उपाध्याय खुद इस खतरनाक महामारी की चपेट में आ गए, हालांकि लोगों को जान बचाते-बचाते वह खुद इस खतरनाक वायरस से अपनी जंग हार गए। बुधवार को उनकी भोपाल के एक निजी अस्पताल में मौत हो गई। बता दें, डॉ शुभम की यह पहली नौकरी थी। पहले ही दिन से वह कोविड मरीजों को बचाने में लगे थे। इस दौरान खुद भी वह संक्रमण की चपेट में आ गए। स्थिति खराब होने के बाद 10 नवंबर को भोपाल के चिरायु अस्पताल में उन्हें भर्ती कराया गया था। 25 नवंबर को उनका निधन हो गया है। डॉ शुभम के निधन पर प्रदेश के सीएम शिवराज सिंह चौहान ने गहरा शोक व्यक्त किया है। चिरायु मेडिकल कॉलेज के निदेशक डॉ. अजय गोयनका ने बताया कि 26 साल के डॉक्टर शुभम उपाध्याय की बुधवार को हमारे अस्पताल में मौत हो गई। वह कोरोना वायरस से संक्रमित थे और 10 नवंबर से हमारे अस्पताल में भर्ती थे। उन्होंने कहा कि उनके फेफड़े पूरी तरह खराब हो गये थे। हमलोगों ने काफी कोशिश की लेकिन सेहत में कोई सुधार नहीं हुआ। वहीं, डॉ शुभम के साथी डॉक्टर उमेश पटेल ने बताया कि उपाध्याय ने इसी साल आठ अप्रैल को सागर के बुंदेलखंड मेडिकल कॉलेज में संविदा चिकित्सक के रूप में ड्यूटी ज्वाइन की थी। वह वहां पर कोविड-19 मेडिकल अधिकारी थे। उन्होंने कहा कि वह 28 अक्टूबर को कोरोना वायरस से संक्रमित पाए गए थे और तब से लेकर 10 नवंबर तक उनका इलाज सागर के बुंदेलखंड मेडिकल कॉलेज में चल रहा था।

न्यूजीलैंड में भारतीय मूल के सांसद ने संस्कृत में ली शपथ, रचा इतिहास

वेलिंगटन। न्यूजीलैंड के सांसद डॉ. गौरव शर्मा ने बुधवार को इतिहास रच दिया। वह विदेशी धरती पर संस्कृत में शपथ लेने वाले भारतीय मूल के पहले सांसद बन गए हैं। हिमाचल प्रदेश के मूल निवासी डॉ. शर्मा को हाल ही में न्यूजीलैंड में हुए चुनाव में लेबर पार्टी से सांसद चुना गया है। न्यूजीलैंड की संसद में शपथ ग्रहण के दौरान गौरव शर्मा ने कहा, मैं गौरव शर्मा शपथ लेता हूं कि मैं विश्वासयोग्य रहूंगा और महामहिम महारानी एलिजाबेथ द्वीतीय और उनके उत्तराधिकारियों के प्रति सच्ची निष्ठा रखूंगा। इसलिए ईश्वर मेरी मदद करें। न्यूजीलैंड और सामोआ स्थित हाई कमिश्नर मुक्तेश परदेशी ने कहा, सबसे युवा सांसदों में से एक और हाल ही में चुने गए गौरव शर्मा ने आज शपथ ली। पहले न्यूजीलैंड की देसी माओरी भाषा में शपथ ली तो इसके बाद संस्कृत में भी शपथ ली। उन्होंने दोनों देशों की संस्कृति और परंपरा को सम्मान दी है। हिंदी में शपथ नहीं लेने को लेकर पूछे गए एक सवाल के जवाब में डॉ. शर्मा ने कहा, ईमानदारी से कहूं तो मैंने इसके बारे में सोचा था। लेकिन तब इसे पहाड़ी और पंजाबी में करने का प्रश्न था। सबको खुश रखना मुश्किल है। संस्कृत इसलिए अहम है क्योंकि यह सभी भारतीय भाषाओं का सम्मान है। प्रोफेशन से डॉक्टर शर्मा हमिल्टन वेस्ट में टिम के माकीनडोब को 4,386 वोट से हराया। इससे पहले वह 2017 में भी चुनाव लड़े थे लेकिन सफलता नहीं मिली। वह भारतीय मूल के दूसरे नता हैं जिन्होंने संस्कृत में शपथ ली है। इस साल जुलाई 2016 में पदभार संभालने वाले चंद्रीकाप्रसाद संतोखी ने भी संस्कृत में शपथ ली थी।

शी जिनपिंग ने आखिर बाइडन को दी बधाई, चीन-अमेरिका के न टकराने की जताई उम्मीद

बीजिंग। चीनी राष्ट्रपति शी चिनफिंग ने अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति जो बाइडन को राष्ट्रपति चुनाव जीतने पर बुधवार को बधाई दी और उम्मीद जताई कि दोनों देश टकराव की राह पर नहीं बढ़ने की भावना को बरकरार रखेंगे और द्विपक्षीय रिश्तों को स्वस्थ और स्थिर विकास की दिशा में लेकर जाएंगे। आधिकारिक मीडिया ने यह जानकारी दी। राष्ट्रपति शी ने बाइडन को अमेरिकी राष्ट्रपति के तौर पर उनके निर्वाचन के लिए बधाई देते हुए एक संदेश भेजा। शी दुनिया के उन कुछ चुनिंदा प्रमुख नेताओं में से हैं जिन्होंने नवनिर्वाचित राष्ट्रपति को सबसे आखिर में बधाई दी है। सरकारी शिन्हुआ समाचार एजेंसी के मुताबिक, शी ने अपने संदेश में कहा कि चीन-अमेरिका रिश्तों के स्वस्थ और स्थिर विकास को बढ़ावा देना न सिर्फ दोनों देशों के लोगों के मौलिक हित में है बल्कि अंतरराष्ट्रीय समुदाय की साझा उम्मीदों को भी पूरा करता है। शी ने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि दोनों पक्ष गैर-संघर्ष, परस्पर सम्मान, दोनों के लिए जीत की स्थिति वाले सहयोग की भावना बनाए रखेंगे, सहयोग पर ध्यान केंद्रित करेंगे, मतभेदों को सुलझाकर स्वस्थ और स्थिर चीन-अमेरिका रिश्तों की दिशा में बढ़ेंगे। उन्होंने यह उम्मीद भी जताई कि विश्व शांति और विकास के काम को बढ़ावा देने के लिए वे अन्य देशों और अंतरराष्ट्रीय बिरादरी के साथ भी मिलकर काम करेंगे। वहीं, चीन के उपराष्ट्रपति वांग किशान ने कमला हैरिस को एक संदेश भेजकर अमेरिका की उपराष्ट्रपति निर्वाचित होने पर उन्हें बधाई दी।

31 दिसंबर तक जारी रहेगा अंतरराष्ट्रीय उड़ानों पर बैन

कोरोना के बढ़ते मामलों के बीच डीजीसीए का निर्देश

नई दिल्ली। भारत में बढ़ते कोरोना वायरस के मामलों के मद्देनजर भारत सरकार ने अंतर्राष्ट्रीय उड़ानों पर प्रतिबंध की सीमा और बढ़ा दी है। भारत से जाने और आने वाली इंटरनेशनल फ्लाइट्स पर 31 दिसंबर तक रोक जारी रहेगी। यहां ध्यान देने वाली बात है कि वंदे भारत मिशन के तहत उड़ान भरने वाले विमानों पर कोई पाबंदी नहीं है। इससे पहले सरकार ने 30 नवंबर तक इंटरनेशल फ्लाइट्स पर बैन लगाया था। नागर विमानन महानिदेशालय ने गुरुवार को एक सर्कुलर जारी किया, जिसके मुताबिक, महामारी के मद्देनजर 31 दिसंबर तक अंतरराष्ट्रीय उड़ानों को निलंबित कर दिया गया है और विमान केवल चुनिंदा मार्गों पर ही केस-टू-केस आधार पर उड़ान भरेंगे। इससे पहले डीजीसीए ने इंटरनेशनल फ्लाइट पर बैन 30 नवंबर तक बढ़ाने का आदेश दिया था। यहां ध्यान देने वाली बात है कि कोरोना वायरस और लॉकडाउ की वजह से इस

साल 23 मार्च से ही इंटरनेशनल उड़ानों पर रोक जारी है। हालांकि, उस वक्त घरेलू विमान सेवा को भी बैन किया गया था, मगर कोरोना के मामलों में कमी के बाद घरेलू सेवा को मई के आखिर में फिर से बहाल कर दिया गया।

वंदे भारत मिशन के तहत कितने आए-कोरोना वायरस महामारी के मद्देनजर सरकार द्वारा सात मई से वंदे भारत मिशन की शुरुआत किए जाने के बाद से 20 लाख से ज्यादा भारतीय दूसरे देशों से वापस आए हैं। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अनुराग श्रीवास्तव ने कहा कि एक अक्टूबर से शुरू मिशन के सातवें चरण के तहत इस महीने के अंत तक 24 देशों से 1057 अंतरराष्ट्रीय उड़ानों का संचालन किया जाएगा। इसके तहत 195000 लोगों के आने का अनुमान है। उन्होंने ऑनलाइन संवाददाता सम्मेलन में कहा, हमने अगले चरण के लिए तैयारियां शुरू कर दी है। उन्होंने कहा कि गुरुवार तक वंदे भारत मिशन के तहत एअर इंडिया, निजी और विदेशी विमान कंपनियों, चार्टर्ड विमानों, नौसेना के पोतों आदि के जरिए 20.55 लाख भारतीय वापस आए। बांग्लादेश के साथ एयर बबल समझौता के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा कि दोनों देशों के विदेश मंत्रियों के बीच 29 सितंबर को वार्ता के दौरान सहमति बनी थी कि दोनों तरफ के यात्रियों की जरूरतों को पूरा करने के लिए एयर बबल के तहत विमानों का संचालन किया जाएगा। द्विपक्षीय एयर बबल बुधवार से शुरू हुआ है।

26/11 मुंबई आतंकी हमले की बरसी आज

भारतीय-अमेरिकियों ने कहा- हमें न्याय चाहिए

वॉशिंगटन। अमरीका में भारतीय-अमीरिकी मूल के लोग आज कैपिटोल हिल के बाहर एकत्रित हुए और 26/11 मुंबई आतंकी हमले में मारे गए लोगों को श्रृद्धांजलि दी। पाकिस्तान विरोधी बैनर हाथ में लिए हुए लोगों ने हमें न्याय चाहिए नारे को बुलंद किया। श्रृद्धांजलि देने के लिए इकट्ठे हुए लोगों ने कहा के 12 साल बीत जाने के बाद भी पाकिस्तान ने आज भी दोषियों के विरुद्ध कोई कार्रवाई नहीं की है। बजाय इसके कि दोषी आज भी पाकिस्तान में मुक्त घूम रहे हैं। कम्यूनिटी एक्टिविस्ट कृष्णा रेड्डी ने कहा, हम 2611 की बरसी पर यहां आए हैं, जब पाकिस्तान से आए आतंकवादियों ने मुंबई में घुसकर निर्दोष लोगों की हत्या कर दी, जिसमें 6 अमरीकी भी थे। आतंकियों ने अमरीकियों के पासपोर्ट देखे और उन्हें मार दिया। यूएस इंटेलीजेंस को पता है कि ऐसा हुआ था और यह पाकिस्तान के इंटेलीजेंस से सीधे नियंत्रित किया जा रहा था। एक अन्य एक्टिविस्ट महिंद्रा सापा ने कहा, हम अमरीकी सरकार को यह याद दिलाने के लिए एकत्रित हुए हैं कि इस

नृशंस आतंकी घटना को 12 साल पूरे हो चुके हैं, हम इस उम्मीद में इकट्ठे हुए हैं कि नया प्रशासन हमें न्याय दिलाने के लिए हर संभव कदम उठाएगा। कृष्णा ने कहा, मैं प्रशासन से अपील करना चाहुंगी कि पाकिस्तान और अफगानिस्तान को किसी भी प्रकार की आर्थिक मदद न दी जाए, जब तक पाकिस्तान इन दोषियों पर कड़ी कार्रवाई न करे और पीड़ितों को न्याय न मिल जाए। इसके पहले भारतीय अमरीकियों के इस समूह ने एक डिजिटल मोबाइल बिलबोर्ड ट्रक स्पॉन्सर किया जिस पर लिखा था हम न्याय की मांग करते हैं। इसे पाकिस्तानी और तुर्की एंबेसी के बाहर देखा गया था। भारतीय सरकार के साथ ही अमरीकी डिपार्टमेंट ऑफ जस्टिस ने भी अपराधियों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। हालांकि पाकिस्तान दोषियों के खिलाफ कार्रवाई करने में सबूतों की कमी का हवाला देकर टाल मटोल करता रहता है। अमरीकी भारतीय समुदाय ने मंबई हमले में मारे गए 166 लोगों को श्रृद्धांजलि दी, जिसमें 6 अमरीकी भी शामिल हैं। शांतिपूर्ण तरीके से चली इस सबा में मैरीलैंड, वर्जीनिया और वॉशिंगटन डीसी के लोग शामिल थे।

कोविड-19 टीके को लेकर अब किन-किन तैयारियों में जुटा है भारत, स्वास्थ्य मंत्री हर्षवर्धन ने दी पूरी जानकारी

नई दिल्ली। भारत में कोरोना वायरस की वैक्सीन को लेकर अभी से ही तैयारियां तेज हैं। स्वास्थ्य मंत्री हर्षवर्धन ने बुधवार को कहा कि सरकार कोविड-19 टीके के उत्पादन और वितरण के लिए मजबूत पारिस्थितिकी तंत्र स्थापित कर रही है, ताकि मांग को पूरा किया जा सके। स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री हर्षवर्धन ने यह भी कहा कि जब दुनिया कोविड-19 का टीका विकसित करने के प्रयासों में लगी है, तब भारत टीका विकसित करने और बड़े स्तर पर इसके निर्माण में आत्मनिर्भर बनने की कोशिश कर रहा है। हर्षवर्धन ने विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग के सहयोग से फिक्की द्वारा आयोजित डिजिटल वैश्विक आरएंडडी सम्मेलन 2020 को संबोधित करते हुए कहा, दुनिया का औषधालय कहे जाने वाले भारत में कोविड-19 टीके बनाने की सर्वाधिक क्षमता है। उन्होंने कहा, हमने अब टीका उत्पादन एवं वितरण पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत करने की दिशा

में कदम उठाने शुरू कर दिए हैं, ताकि आगामी दिनों में हमारी मांग को पूरा किया जा सके। इससे पहले कोरोना वायरस का विकराल रुप धारण कर चुकी दिल्ली पर केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री डॉक्टर हर्षवर्धन ने कहा था कि राज्य सरकार के साथ लोगों की भी जिम्मेदारी है कि वह कोरोना को नियंत्रित करने में सहयोग करे और कुछ पढ़े-लिखे लोगों की लापरवाही के कारण पूरे दिल्लीवासियों को इसका खामियाजा भुगतना पड़ रहा है। दिल्ली में कोरोना वायरस का प्रकोप इतना भयावह है कि पिछले छह दिनों में यह 678 मरीजों की जान ले चुका है।

देश में कोरोना की स्थिति-भारत में एक दिन में कोरोना वायरस संक्रमण के 44,376 नए मामले सामने आए जिसके बाद कुल मामले बढ़कर 92 लाख के पार पहुंच गए। इसके साथ ही ठीक होने वाले मरीजों की संख्या बढ़कर 86.42 हो गई। स्वास्थ्य मंत्रालय की ओर से सुबह आठ बजे उपलब्ध कराए गए आंकड़ों के अनुसार देश में संक्रमण के कुल मामले बढ़कर 92,22,216 हो गए। आंकड़ों के अनुसार कोविड-19 से 481 और मरीजों की मौत हो गई जिसके बाद मृतकों की संख्या 1,34,699 पर पहुंच गई। वर्तमान में देश में कोविड-19 के 4,44,746 मरीज उपचाराधीन हैं। ठीक होने वाले लोगों की संख्या बढ़कर 86,42,771 हो गई जिससे राष्ट्रीय स्तर पर ठीक होने की दर 93.72 प्रतिशत हो गई। कोविड-19 से मरने वालों की दर 1.46 प्रतिशत है। भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद के अनुसार 24 नवंबर तक 13.48 करोड़ से अधिक नमूनों की कोविड-19 की जांच की गई।

फीफा अवॉर्ड्स 2020: मेसी, रोनाल्डो समेत 11 खिलाड़ी बेस्ट प्लेयर के लिए नामित

ज्यूरिक ■ एजेंसी

पुर्तगाल के स्टार स्ट्राइकर क्रिस्टियानो रोनाल्डो, अर्जेंटीना के लियोनल मेसी, इजिप्ट के मोहम्मद सालाह और पोलैंड के रॉबर्ट लेवानडॉस्की को बेस्ट फीफा मेन्स प्लेयर अवॉर्ड (फीफा बेलोन डी'ओर) के लिए नामित किया गया है। फीफा ने बुधवार को बेस्ट फुटबॉल अवॉर्ड के कई कैटेगरी के लिए नामों का ऐलान किया। अवॉर्ड सेरेमनी का वर्चुअल आयोजन 17 दिसंबर को किया जाएगा। पहले यह अवॉर्ड सेरेमनी सितंबर में आयोजित की जानी थी, लेकिन कोरोना की वजह से इसे स्थगित करना पड़ा।

मेसी ने रिकॉर्ड 6 बार बेलोन डी'ओर अवॉर्ड जीता

मेसी ने पिछले साल रिकॉर्ड 6वीं बार बेलोन डी'ओर अवॉर्ड जीता। इस मामले में उन्होंने रोनाल्डो (5 बार) को पीछे छोड़ दिया। पिछले 12 साल में मेसी (2009, 2010, 2011, 2012, 2015, 2019) ने 6 और रोनाल्डो (2008, 2013, 2014, 2016, 2017) ने पांच बार यह पुरस्कार अपने नाम किया। 2018 में क्रोएशिया और रियल मैड्रिड के लुका मोदरिच ने यह पुरस्कार जीता था।

लेवानडॉस्की प्रबल दावेदार

इस साल यूईएफए मेन्स प्लेयर ऑफ द ईयर का अवॉर्ड जीत चुके लेवानडॉस्की मेन्स प्लेयर कैटेगरी में फीफा अवॉर्ड के लिए प्रबल दावेदार माने जा रहे हैं। उन्होंने 2019-20 चैम्पियंस लीग में अपने दम पर क्लब बेयर्न म्यूनिख को चैम्पियन बनाया था। वहीं बेस्ट वुमन्स प्लेयर के लिए लूसी ब्रॉन्ज, डेलफि न केरकेरिनो, कैरोलीन ग्राहम हैनसेन समेत 11 प्लेयर्स को नामित किया गया है।

बेस्ट मेन्स और वुमन्स गोलकीपर के लिए 6-6 खिलाड़ी नामित

वही, बेस्ट मेन्स और वुमन्स गोलकीपर के लिए 6-6 खिलाड़ियों को नामित किया गया है। मेन्स कैटेगरी में पिछले बार के विजेता एलिसन बेकर, थिबाउट कोर्टियस, केलर नावास, मैनुअल नुएर समेत 6 खिलाड़ियों को नॉमिनेशन मिला है। जबकि वुमन्स कैटेगरी में एन-कैटरीन बर्जर, सारा बौहदी, क्रिस्चियन एंडलर समेत 6 खिलाड़ियों को नॉमिनेट किया गया। बेस्ट कोच अवॉर्ड के लिए मेन्स में 5 और वुमन्स में 7 कोच को नामित किया गया। वुमन्स कैटेगरी में लुइस कोर्टेस और रीता ग्वारिनो को नामित किया गया। जबकि, मेन्स कैटेगरी में पिछले बार के विजेता जुर्गेन क्लोप्प, मासेली बिएलसा और जिनेदिन जिदान जैसे कोच को नामित किया गया।

मेन्स फुटबॉल के लिए नॉमिनेशन

फीफा बेस्ट प्लेयर : क्रिस्टियानो रोनाल्डो, लियोनल मेसी, मोहम्मद सालाह, रॉबर्ट लेवानडॉस्की, थिएगो अलसांटरा, केविन डी ब्रुइन, सादियो माने, कीलियन एमबाप्पे, नेमार, सर्जियो रामोस और वर्जिल वॉन डिक

फीफा बेस्ट गोलकीपर : एलिसन बेकर, थिबाउट कोर्टियस, केलर नावास, मैनुअल नुएर, जान ओब्लाक और मार्क-अद्रि स्टीगन

फीफा बेस्ट कोच : मासेली बिएलसा, हंस-डाइटर फ्लिक, जुर्गेन क्लोप्प, जूलेन लोपेटेगुई और जिनेदिन जिदान

वुमन्स फुटबॉल के लिए नॉमिनेशन

फीफा बेस्ट प्लेयर : लुसी ब्रॉन्ज, डेलफि न केरकेरिनो, कैरोलीन ग्राहम हैनसेन, पेरनील हार्डर, जेनिफर हमोसी, जी सो-युन, सैम केर, साकी कुमागाई, डेजसेनिफर मेरोसन, विवियन मिडेमा और वेंडी रेनार्ड

फीफा बेस्ट गोलकीपर : ऐन-कैटरीन बर्जर, सारा बौहदी, क्रिस्चियन एंडलर, हेडविग लिंडहल, एलिसा नेहर और ऐली रोबक

फीफा बेस्ट कोच : लुइस कोर्टेस, रीता ग्वारिनो, एम्मा हेस, स्टीफन लेर्च, हेज रिइज, जीन-ल्यूक और सरीना विगमैन

कैप्टन और कोच के अलावा फैन भी कर सकेंगे वोट

हर कैटेगरी के लिए कैंडिडेट को 2 एक्सपर्ट्स के पैनल ने चुना है। फीफा ने कहा कि अवॉर्ड्स के विनर वोट के द्वारा तय किए जाएंगे। विनर विभिन्न देशों के कप्तान और कोच के साथ-साथ 200 पत्रकार के वोट्स के आधार पर तय किए जाएंगे। साथ ही फैन भी ऑनलाइन बैलेट से अपने फेवरेट को वोट दे सकेंगे। वोटिंग की प्रक्रिया आज से शुरू होगी और 9 दिसंबर को खत्म होगी। 2019 में 23 सितंबर को बेस्ट फीफा फुटबॉल अवॉर्ड्स का आयोजन किया गया था। अर्जेंटीना के लियोनल मेसी ने बेस्ट मेन और यूनाइटेड स्टेट्स की मेगन रेपिनो ने बेस्ट वुमन फुटबॉलर का अवॉर्ड जीता था।

न्यूज. ब्रीफ

ऑस्ट्रेलियन ओपन: दो हफ्ते की देरी से हो सकता है टूनार्मेंट

मेलबर्न। अगले साल जनवरी में होने वाली टेनिस टूनार्मेंट ऑस्ट्रेलियन ओपन दो हफ्ते आगे बढ़ सकती है। विक्टोरिया स्टेट के खेल मंत्री मार्टिन पाकुला ने कहा कि टूनार्मेंट दो हफ्ते देरी से शुरू की जा सकती है। साथ ही क्वारेंटाइन पीरियड भी कम किया जा सकता है। ऑस्ट्रेलियन ओपन अगले साल मेलबर्न में 18 से 31 जनवरी के बीच खेला जाना है। मार्टिन ने कहा कि गवर्नमेंट और टेनिस ऑफिशियल की ओर से कई स्तर पर बातचीत के बाद यह तय किया गया है कि सीजन का पहला ग्रैंड स्लैम जरूर कराया जाएगा। उन्होंने कहा, 'कई तारीखें प्रस्तावित हैं। कई रिपोर्ट में यह भी सुझाव दिए गए हैं कि इसे एक- दो हफ्ते देरी से शुरू की जाए। लेकिन केवल यह एकमात्र विकल्प नहीं है। जैसा आप जानते हैं कि फ्रेंच ओपन कई महीने देरी से हुई। जबकि विबंलडन को रद्द ही कर दिया गया। हालांकि मेरा मानना है कि इसमें ज्यादा देरी नही होगी। मैं इसे बार-बार दोहराना नही चाहता हूं। इस पर गंभीरता से बातचीत चल रही है।

स्टार इंडिया को मिले सीएसए के मीडिया अधिकार

मुम्बई। स्टार इंडिया ने अगले चार साल 2020 से 24 सत्र के अंत तक के क्रिकेट दक्षिण अफ्रीका (सीएसए) के मीडिया अधिकार हासिल कर लिये हैं जिसमें भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच 20 द्वीपक्षीय मुकाबले भी शामिल हैं। ये अधिकार एशिया, पश्चिमी एशिया और उत्तर अफ्रीका के लिए होंगे। इस करार की शुरूआत शुक्रवार से शुरू हो रहे इंग्लैंड के दक्षिण अफ्रीका दौरे से शुरू होगी। भविष्य दौरा कार्यक्रम के अनुसार दक्षिण अफ्रीका की पुरुष टीम इस दौरान घरेलू धरती पर 59 मैच खेलेगी जिसमें भारत, इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया जैसी शीर्ष टीमों के खिलाफ श्रृंखलाएं शामिल हैं। भारतीय टीम इस दौरान तीन बार दक्षिण अफ्रीका का दौरा करेगी। 2021-22 में होने वाले पहले दौरे में भारतीय टीम तीन टेस्ट और इतने ही टी20 मुकाबले खेलेगी। इस करार में दक्षिण अफ्रीका की महिला टीम के अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच के अलावा सीएसए के घरेलू पुरुष फ्रेंचाइजी मुकाबले भी शामिल होंगे।

स्मिथ के पसंदीदा पाक बल्लेबाज हैं आजम

सिडनी। ऑस्ट्रेलिया के अनुभवी बल्लेबाज स्टीव स्मिथ ने पाकिस्तान क्रिकेट टीम के कप्तान बाबर आजम की जमकर तारीफ करते हुए कहा है कि उन्हें इस पाक क्रिकेटर की बल्लेबाज पसंद है। स्मिथ ने हाल ही में सोशल मीडिया ऐप इंस्टाग्राम पर एक सवाल और जवाब का सत्र रखा था। इस दौरान उन्होंने कई लोगों के सवालों के जवाब दिए। इस इसी जब एक प्रशंसक ने स्मिथ से पूछा कि उनका पसंदीदा पाक क्रिकेटर कौन है तो स्मिथ ने जवाब दिया कि उन्हें आजम की बल्लेबाजी पसंद है। बाबर अभी विश्व के बेहतरीन बल्लेबाजों में शामिल हैं वह एक मात्र बल्लेबाज हैं जो तीनों फार्मेट की आईसीसी रैंकिंग में शीर्ष पांच खिलाड़ियों में शामिल हैं।

भारत में होने वाले 2023 विश्व कप तक खेलना चाहते हैं टेलर

आकलैंड। न्यूजीलैंड के बल्लेबाज रॉस टेलर ने कहा है कि भारत में साल 2023 में होने वाले टी20 विश्व कप पर उनकी नजरें लगी हैं। टेलर ने हालांकि माना कि तीन साल और खेलना उनके लिए कठिन चुनौती होगी जिसके बाद वह विश्व कप को अलविदा कह देंगे। वेस्टइंडीज के खिलाफ होने वाले पहले टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच से पहले टेलर ने ये बातें कहीं। उन्होंने कहा कि 2023 विश्व कप पहले फरवरी और मार्च में होना था पर कोरोना महामारी के कारण आई बाधा से हालात बदल गये हैं। अब विश्व कप अक्टूबर और नवंबर 2023 में होगा, जिससे छह और सात महीने का समय और बढ़ गया है। साथ ही कहा कि आपके छोटे और लंबे समय के लक्ष्य होने चाहिए और एकदिवसीय विश्व कप निश्चित रूप से मेरी योजना का ही हिस्सा है। मुझे इसके लिये बदलाव भी करने होंगे क्योंकि मेरी उम्र भी बढ़ रही रही है।

भारत-ऑस्ट्रेलिया वनडे सीरीज कल से: सीरीज के तीनों वनडे डे-नाइट खेले जाएंगे

259 दिन बाद मैदान पर उतरेगी इंडिया

- ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 7वीं सीरीज जीतने का मौका
- मैच का सीधा प्रसारण भारतीय समयानुसार सुबह 9:10 बजे से सोनी सिक्स पर

मेलबर्न ■ एजेंसी

विराट कोहली की कप्तानी में भारतीय टीम ऑस्ट्रेलिया दौरे पर है। टीम कोरोना के बीच 27 नवंबर से अपनी पहली वनडे सीरीज खेलेगी। पूरा दौरा बायो-सिक्योर रहेगा। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टीम इंडिया के पास 7वीं द्विपक्षीय वनडे सीरीज जीतने का मौका है। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच अब तक कुल 12 वनडे सीरीज खेली गई हैं। इसमें दोनों ने 6-6 सीरीज अपने नाम की हैं। ऑस्ट्रेलिया ने घर में भारत के खिलाफ 2 द्विपक्षीय वनडे सीरीज खेलीं, जिसमें एक जीती और एक हारी है।

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सचिन टॉप स्कोरर

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ वनडे में अब तक सबसे ज्यादा रन के मामले में पूर्व क्रिकेट सचिन तेंदुलकर टॉप पर हैं। उन्होंने 71 वनडे में 9 शतक और 15 फिफ्टी के साथ 3077 रन बनाए हैं। इस लिस्ट के टॉप-5 में मौजूदा 16 सदस्यीय भारतीय टीम से सिर्फ कप्तान कोहली और ओपनर शिखर धवन हैं। कोहली ने 40 वनडे में 1910 और धवन ने 27 मैच में 1145 रन बनाए हैं।

भारतीय वनडे टीम

बैट्समैन: विराट कोहली (कप्तान), शुभमन गिल, शिखर धवन, लोकेश राहुल (उपकप्तान, विकेटकीपर), मनीष पांडे, श्रेयस अय्यर, मयंक अग्रवाल और संजू सैमसन (विकेटकीपर)। ऑलराउंडर: हार्दिक पंड्या और रविंद्र जडेजा। गेंदबाज: युजवेंद्र चहल, कुलदीप यादव, जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद शमी, नवदीप सैनी और शार्दूल ठाकुर।

ऑस्ट्रेलिया वनडे टीम

बैट्समैन: एरॉन फिंच (कप्तान), एलेक्स कैरी (विकेटकीपर), स्टीव स्मिथ, डेविड वॉर्नर, मैथ्यू वेड (विकेटकीपर)। ऑलराउंडर: मार्नस लाबुशाने, मोइसेस हेनरिक, ग्लेन मैक्सवेल, डेनियल सैम्स, मार्कस स्टोइनिस और कैमरॉन ग्रीन। गेंदबाज: पैट कमिंस, सीन एबॉट, एश्टन एगर, जोश हेजलवुड, मिचेल स्टार्क, एंड्र्यू टाई और एडम जम्पा।

हमारे बल्लेबाजों को भारतीय गेंदबाजों से कोई डर नहीं : लैंगर

ऑस्ट्रेलियाई कोच जस्टिन लैंगर ने कहा है कि पिछले कुछ समय में उनकी टीम के बल्लेबाजों ने भारतीय गेंदबाजों का कई बार सामना किया है। उन्होंने कहा कि जसप्रीत बुमराह और मोहम्मद शमी जैसे गेंदबाजों का सम्मान करते हैं, लेकिन अब इनसे ऑस्ट्रेलिया टीम को कोई डर नहीं है। आगामी वनडे और टेस्ट सीरीज में ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज आसानी से भारतीय गेंदबाजों का सामना करेंगे। लैंगर ने एजेंसी से कहा, 'हम जानते हैं कि बुमराह वर्ल्ड क्लास बॉलर हैं। उनकी और शमी की एक बेहतरीन ओपनिंग जोड़ी होगी। लेकिन हमारे खिलाड़ियों ने इनको वह्रछ और इंटरनेशनल मैचों में कई बार खेला है। इससे पहले हमने भारत के खिलाफ 14 वनडे खेला है और जीत दोनों टीमों को बराबर ही मिली है।' लैंगर ने कहा, 'भारतीय स्पिनर्स भी शानदार हैं। नवदीप सैनी और टी नटराजन जैसे युवा खिलाड़ी भी अच्छे हैं। मुझे ये भी पता है कि हमारे बल्लेबाजों को एड़ी-चोटी का जोड़ लगाना होगा और उसके लिए हमारे बल्लेबाज काफी मेहनत कर रहे हैं। उन्होंने भारतीय गेंदबाजों को देखा है और वे उसी तरीके से प्रैक्टिस कर रहे हैं।' लैंगर ने कहा कि टेस्ट में रोहित ईशांत का न रहना उनके लिए विषय नहीं है। लैंगर ने कहा, 'यह हमारा काम नहीं है। हमारी अपनी चुनौतियां हैं। हम मैच की सुबह पहली बार एक ग्रुप के तौर पर एक साथ आएंगे। यह भारत के ऊपर है कि वे क्या करते हैं और किसे चुनते हैं। इन बातों पर हमारा कोई नियंत्रण नहीं होगा।

कोरोना के बीच पहली वनडे सीरीज

कोरोना से पहले भारतीय टीम ने पिछली बार 12 मार्च को धर्मशाला वनडे के लिए मैदान में उतरी थी। यह सीरीज साउथ अफ्रीका के खिलाफ थी। हालांकि, बारिश के कारण पहला मैच रद्द हो गया था। इसके बाद सीरीज के बाकी दो मैच कोरोना के कारण रद्द कर दिए गए थे। पिछली बार भारतीय टीम ने जनवरी 2019 में ऑस्ट्रेलिया दौरे पर 3 वनडे की सीरीज खेली थी। पहला वनडे हारने के बाद टीम इंडिया ने यह सीरीज 2-1 से जीती थी। तब भी भारतीय टीम की कमान विराट कोहली के हाथ में ही थी। ऑस्ट्रेलिया की कप्तानी भी एरॉन फिंच के ही पास थी। इस बार भी दोनों टीम के बीच 3 वनडे की सीरीज खेली जाएगी। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच अब तक 140 वनडे खेले गए। इसमें टीम इंडिया ने 52 मैच जीते और 78 हारे हैं, जबकि 10 मुकाबले बेनतीजा रहे। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ उसी के घर में भारतीय टीम ने 51 वनडे खेले, जिसमें से 13 जीते और 36 मैच हारे हैं। 2 वनडे बेनतीजा रहे।

टॉप-5 भारतीय विकेट टेकर में मौजूदा टीम का कोई प्लेयर नहीं

1983 के वर्ल्ड कप विजेता कप्तान कपिल देव आज भी ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ वनडे में टॉप विकेट टेकर हैं। उन्होंने 41 मैच में 45 विकेट लिए हैं। टॉप-5 भारतीय बॉलर्स में मौजूदा टीम का कोई भी गेंदबाज नहीं है। भारतीय वनडे टीम में शामिल बॉलर्स में सिर्फ रविंद्र जडेजा ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 33 वनडे में सबसे ज्यादा 27 विकेट लिए।

आठ बल्लेबाज और दो ऑलराउंडर

वनडे सीरीज के लिए टीम इंडिया कप्तान कोहली समेत 8 बल्लेबाजों के साथ ऑस्ट्रेलिया पहुंची है। इनमें लोकेश राहुल और संजू सैमसन दो विकेटकीपर भी शामिल हैं। 16 सदस्यीय टीम में हार्दिक पंड्या और रविंद्र जडेजा दो ऑलराउंडर हैं। स्पिनर्स में जडेजा के अलावा युजवेंद्र चहल और कुलदीप यादव हैं। तेज गेंदबाजी की बागडोर जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद शमी, नवदीप सैनी और शार्दुल ठाकुर के कंधों पर रहेगी। चोट से उभरे हार्दिक शायद गेंदबाजी न करें।

वनडे सीरीज में भारतीय टीम के लिए चुनौतियां

- वनडे में तीन बार डबल सेंचुरी लगा चुके रोहित शर्मा भारतीय टीम में शामिल नहीं हैं। ऐसे में टीम इंडिया को थोड़ा स्ट्रगल करना पड़ सकता है।
- स्टीव स्मिथ और डेविड वॉर्नर बॉल टेम्परिंग के कारण 1 साल का प्रतिबंध झेल कर वापसी कर रहे हैं। इन दो दिग्गजों से भारतीय गेंदबाजों को पार पाना होगा।
- भारतीय टीम कोरोना के बीच पहली वनडे सीरीज खेल रही, जबकि ऑस्ट्रेलिया सितंबर में इंग्लैंड दौरे पर 3 वनडे खेलकर फार्म में आ चुकी है। ऑस्ट्रेलिया ने इंग्लैंड को उसी के घर में 2-1 से हराया था।
- ऑस्ट्रेलिया टीम में बल्लेबाजी लाइनअप काफी मजबूत है। इसमें ओपनर वॉर्नर, मार्नस लाबुशाने, स्मिथ, मार्कस स्टोइनिस, मैक्सवेल और पैट कमिंस शामिल हैं। हालांकि, भारतीय गेंदबाजी लाइनअप में भी जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद शमी, युजवेंद्र चहल और कुलदीप यादव जैसे प्लेयर हैं।
- मिशेल स्टार्क ने टी-20 वर्ल्ड कप की तैयारी के लिए इस साल वह्रछ नहीं खेला। हालांकि, ऑस्ट्रेलिया की मेजबानी में होने वाला वर्ल्ड कप भी दो साल के लिए टल गया है। ऐसे में स्टार्क सीरीज में पूरी ताकत झोंक सकते हैं।

आईसीसी के नए अध्यक्ष: न्यूजीलैंड क्रिकेट के प्रमुख ग्रेग बार्कले नये चेयरमैन होंगे

- दूसरे राउंड में बार्कले को मिला दो तिहाई बहुमत

दुबई ■ एजेंसी

ग्रेग बार्कले आईसीसी के नए चेयरमैन होंगे। बार्कले न्यूजीलैंड क्रिकेट के 2012 से हेड हैं। 2015 में न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया में आयोजित वनडे वर्ल्ड कप में आयोजन समिति के भी अध्यक्ष थे। बार्कले दूसरे राउंड में कुल 11 वोट लेकर इमरान ख्वाजा से आगे रहे। इमरान ख्वाजा जुलाई में शशांक मनोहर के आईसीसी चेयरमैन से रिजाइन देने के बाद से अंतरिम चेयरमैन थे। पहले राउंड में इलेक्ट्रॉनिक बैलट से डाले गए 16 वोट में से 10 बार्कले और 6 वोट ख्वाजा को मिले थे। स्पष्ट बहुत नहीं

मिलने पर दूसरे राउंड का चुनाव हुआ और इसमें पहले राउंड की तरह पूरी प्रक्रिया को अपनाया गया।

आईसीसी के नए नियम के अनुसार जीतने वाले कैंडिडेट को टोटल वोट (16) का दो-तिहाई वोट लेना जरूरी है। यानी चेयरमैन के लिए 11 वोट होना चाहिए। बार्कले को पहले राउंड में 10 वोट मिले थे। जबकि ख्वाजा को 6 वोट मिले थे। दूसरे राउंड के चुनाव में बार्कले को जीतने के लिए एक वोट और ख्वाजा को 7 वोट्स की जरूरत थी। आईसीसी के कुल 16 वोट्स में से 12 क्रिकेट के फुल मेंबर देश हैं। वहीं, एक स्वतंत्र महिला मेंबर और 2 एसोसिएट मेंबर्स हैं। जबकि एक वोट खुद ख्वाजा था, क्योंकि फिलहाल वो बोर्ड के मेंबर हैं। पहले राउंड के चुनाव में बहुमत न मिलने पर दूसरे राउंड का चुनाव हुआ। दूसरे राउंड में भी अगर दोनों में से किसी कैंडिडेट को बहुमत नहीं मिलता, तो फिर ये तीसरे राउंड में जाता। तीसरे राउंड में भी बहुमत न मिलने पर ख्वाजा ही अंतरिम चेयरमैन के तौर पर बने रहते।

यूईएफए चैम्पयंस लीग महिला फुटबॉल में लॉयन का शुरूआती मुकाबला जुवेंटस से होगा।

गिरावट — इस साल निवेशकों को मोटा रिटर्न दे चुका सोना अब झटका देने लगा है

45 हजार रुपए से नीचे भी जा सकता है सोना

नई दिल्ली ■ ब्यूरो

इस साल निवेशकों को मोटा रिटर्न दे चुका सोना अब झटका देने लगा है। कोरोना का टीका तैयार होने की खबरों के बीच दिल्ली सराफा बाजार में बुधवार को सोने की कीमत 45 रुपये की तेजी के साथ 48,273 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुई। वहीं पिछले कारोबारी सत्र में सोने का भाव 48,228 रुपये प्रति 10 ग्राम था। वहीं चांदी की कीमत भी 407 रुपये की तेजी के साथ 59,380 रुपये प्रति किलोग्राम हो गयी जबकि पिछले सत्र में इसका बंद भाव 58,973 रुपये प्रति किग्रा था। वहीं दूसरी ओर अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने का भाव लाभ के साथ 1,812 डॉलर प्रति औंस हो गया जबकि चांदी 23.34 डॉलर प्रति औंस पर बनी रही। जानकारों के अनुसार कोविड-19 के टीके को लेकर हुई प्रगति और जो बाइडन के अमेरिकी राष्ट्रपति बनने के बाद प्रोत्साहन पैकेज की उम्मीद से भी कीमतें बढ़ी हैं।

एचडीएफसी सिक्योरिटीज के वरिष्ठ जिंस विश्लेषक तपन पटेल ने कहा, कोविड-19 के टीके के संदर्भ में उम्मीद बढ़ने और बाइडेन के अमेरिकी राष्ट्रपति का कार्यभार संभालने की तैयारियों के मद्देनजर सोने की कीमतों में गिरावट देखी गई। इसके अलावा वैश्विक

बाजार में कमजोरी के संकेतों और रुपये की विनिमय दर में सुधार का भी सोने की कीमतों पर असर पड़ा। इस बीच बिकवाली दबाव के कारण चांदी भी 1,588 रुपये की गिरावट के साथ 59,301 रुपये प्रति किलो ग्राम पर आ गई। पिछले सत्र में इसका बंद भाव 60,889 रुपये प्रति किग्रा था। अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने का भाव हानि के साथ 1,830 डॉलर प्रति औंस रह गया जबकि चांदी 23.42 डॉलर प्रति औंस पर लगभग अपरिवर्तित रही। एजेंल ब्रोकिंग के डिप्टी वाइस प्रेसिडेंट अनुज गुप्ता ने कहा कि सोने 49 हजार निचला स्तर तोड़ दिया है जिसके बाद इसमें और गिरावट की आशंका बढ़ गई है।

गिरावट की चार वजह

टीका बनाने के करीब पहुंची कंपनियां: दुनिया की कई दवा कंपनियां कोरोना का कारगर टीका बनाने के करीब पहुंच चुकी हैं। इनका दावा है कि यह 70 से 94 फीसदी तक कारगार हो सकता है। ऐसे में आने वाले समय में कोरोना का डर कम होने से सोना सुरक्षित निवेश नहीं रह जाएगा। इससे सोने में गिरावट आ रही है।

बाइडन से भी जगी उम्मीदें: अमेरिका में जो बाइडन राष्ट्रपति का चुनाव जीत चुके हैं। उन्होंने सत्ता संभालने की तैयारी तेज कर दी है। नरमपंथी बाइडन के सत्ता में आने से व्यापार युद्ध थमने की उम्मीद की जा रही है। इससे दुनियाभर में कारोबारी गतिविधियों के रफ्तार पकड़ने का अनुमान है। आर्थिक संकट के बादल छंटने से सोने की चमक फीकी पड़ रही है।

वैश्विक अर्थव्यवस्थाओं में तेज सुधार: भारत और अमेरिका समेत दुनियाभर की अर्थव्यवस्थाओं में तेज सुधार देखा जा रहा है। विशेषज्ञों का कहना है कि आर्थिक तेजी की स्थिति में शेयरों से जुड़े निवेश अधिक फायदेमंद होते है। ऐसे में अब निवेशक सोने की बजाय शेयरों को अधिक तरजीह दे रहे है। इससे भी सोने की गिरावट को बल मिला है।

अभी सोने में निवेश से बचें: एजेंल ब्रोकिंग के डिप्टी वाइस प्रसिडेंट अनुज गुप्ता ने कहा कि कोरोना संकट गहराने पर सोना 55 हजार के स्तर को पार कर गया था। अब टीका बनने के करीब पहुंचने के साथ ही इसमें गिरावट शुरू हो चुकी है। गुप्ता ने कहा कि टीका बन जाने के बाद सोना 45 हजार रुपये प्रति 10 ग्राम से भी नीचे आ जाए तो आश्चर्य नहीं होगा। ऐसे में मौजूदा समय में सोने में निवेश से दूर रहने की जरूरत है। हालांकि, एक साल या उससे लंबी अ?वधि में यह 55 हजार रुपये के स्तर तक दोबारा पहुंच सकता है।

शेयर बाजार भारी गिरावट के साथ बंद निवेशकों के 2 लाख करोड़ से ज्यादा डूबे

मुंबई ■ एजेंसी

मुम्बई शेयर बाजार में बुधवार को भारी गिरावट दर्ज की गयी। एचडीएफसी बैंक, इन्फोसिस और कोटक बैंक जैसे शेयरों में मुनाफावसूली से बाजार में यह गिरावट आयी है। दिन भर के कारोबार के बाद तीस शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 694.92 अंक करीब 1.56 फीसदी की गिरावट के साथ 43,828.10 अंक पर बंद हुआ। वहीं एक समय यह 44,825.37 के रिकार्ड स्तर तक चला गया था। इसी प्रकार, नेशनल स्टॉक एक्सेंज का निफ्टी भी 196.75 तकरीबन 1.51 फीसदी की गिरावट के साथ 12,858.40 अंक पर बंद हुआ। वहीं कारोबार के दौरान यह अबतक के सर्वोच्च स्तर 13,145.85 तक भी पहुंचा था।

सेंसेक्स के शेयरों में सबसे ज्यादा नुकसान में कोटक बैंक रहा। इसमें करीब 3 फीसदी की कमी आयी। इसके अलावा एक्सिस बैंक, सन फार्मा, एचडीएफसी बैंक, बजाज फाइनेंस और एशियन पेंट्स के शेयर भी नीच आये। वहीं दूसरी ओर ओएनजीसी, पावरग्रिड और इंडसइंड बैंकों को लाभ हुआ। जानकारों के अनुसार विभिन्न शेयरों में मुनाफावसूली से बाजार गिरा है। कोरोना के टीके के साथ ही विदेशी निवेशकों के सकरात्मक रुख के कारण शेयर बाजार में उछाल था पर दूसरे हाफ में निवेशकों ने प्रॉफिट बुकिंग की जिसके कारण बाजार में अचानक से भारी गिरावट आई है। सेलर्स हावी होने के कारण आज निवेशकों के 2 लाख करोड़ डूब गए। 24 नवंबर को कंपनियों का मार्केट कैप 174.82 लाख करोड़ था। आज यह घटकर 172.60 लाख करोड़ पर पहुंच गया। इस तरह निवेशकों का एक दिन का नुकसान 2.22 लाख करोड़ रुपये रहा।

दैनिक पुष्पांजली टुडे

रोको-टोको अभियान

एनजीओ के सदस्य गुलाब का फूल देकर लोगों से आग्रह करेंगे कृपया मास्क जरूर लगाएँ

किन्नर भी करेंगे इस पुनीत अभियान में सहयोग, रोको-टोको अभियान के तहत एनजीओ की हुई बैठक

ग्वालियर। विभिन्न स्वयंसेवी संगठनों से जुड़े प्रतिनिधिगण भीड़भाड़ वाले इलाकों में गुलाब का फूल देकर लोगों से आग्रह करेंगे कृपया मास्क लगाएँ और आपस में दो गज की दूरी बनाए रखें। इसी तरह कोरोना स्क्वॉयड गठित कर कोविड संक्रमण से बचाव के लिये लोगों से कोरोना गाइडलाइन के प्रति जागरूक करेंगे। इसी तरह स्वयंसेवी संगठनों से जुड़े किन्नर भी विवाह समारोहों एवं अन्य आयोजनों में पहुँचकर लोगों से कहेंगे कि कोरोना संक्रमण से बचाव के लिये मास्क का उपयोग, आपस में दो गज की दूरी बनाए रखना और नियमित रूप से हाथ धोना जरूरी है। यह बात विभिन्न स्वयंसेवी संगठनों के प्रतिनिधियों ने गुरूवार को कलेक्ट्रेट में आयोजित हुई बैठक में कही। वैश्विक महामारी कोरोना से बचाव के लिये संभाग आयुक्त श्री आशीष सक्सेना की पहल पर ग्वालियर जिले में चलाए जा रहे रोको-टोको अभियान में स्वयंसेवी संगठनों को भागीदार बनाने के मकसद से यह बैठक बुलाई गई थी। कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास विभाग के कार्यालय में आयोजित हुई इस बैठक में स्वयंसेवी संगठनों के प्रतिनिधियों ने भरोसा दिलाया कि वे इस पुनीत अभियान में बढ़-चढ़कर सहयोग देंगे। साथ ही जन जागरूकता के लिये रोको-टोको अभियान पर केन्द्रित स्टीकर तैयार कर जिले में वितरित करेंगे। जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला बाल विकास श्री राजीव सिंह की अध्यक्षता में आयोजित हुई इस बैठक में रोशनी, अहिंसा, साँई लीला सेवा, रमन शिक्षा सेवा समिति, अल्हक व आदर्श एनजीओ सहित 28 स्वयंसेवी संस्थाओं के प्रतिनिधिगण एवं जिला दिव्यांग पुनर्वास केन्द्र, शासकीय दृष्टि एवं श्रवण बाधित स्कूल एवं मानसिक दिव्यांग बच्चों के लिये संचालित शासकीय स्कूल के प्रतिनिधिगणों ने हिस्सा लिया। ज्ञात हो रोको-टोको अभियान के लिये निर्धारित किए गए कैलेण्डर के तहत विभिन्न विभागों, एनजीओ समाजसेवियों एवं सम्पूर्ण समाज की भागीदारी से लोगों को बताया जा रहा है कि कोविड की जब तक वैक्सीन नहीं आती, तब तक सावधानी ही उसका बचाव है। आम जन अनिवार्यतः मास्क पहनें, हाथों को सेनेटाइज करें और सोशल डिस्टेंसिंग का पालन करें। अभियान के तहत जनप्रतिनिधियों एवं शासकीय अधिकारी व कर्मचारी के साथ-साथ आम नागरिकों को भी इस अभियान में जोड़ा जा रहा है।

सांसद श्री शेजवलकर ने की अपील खुद भी जागरूक रहें और दूसरों को भी करें

रोको-टोको अभियान में सहभागी बनें

ग्वालियर। वैश्विक महामारी कोरोना से पूरा विश्व लड़ रहा है। कोरोना पर विजय पाने के लिये शीघ्र ही वैक्सीन भी आयेगी। जब तक वैक्सीन न आए, तब तक सावधानी ही उसका उपचार है। कोरोना से बचने के लिये हर व्यक्ति को मास्क पहनना जरूरी है। क्योंकि अभी मास्क ही वैक्सीन है। क्षेत्रीय सांसद श्री विवेक नारायण शेजवलकर ने आम जनों से अपील की है कि संकट की इस घड़ी में धैर्य का परिचय दें और सावधानी से अपने जीवन को और अपने परिवार को बचाने में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन करें।

संभागीय आयुक्त श्री आशीष सक्सेना की पहल पर ग्वालियर संभाग में कोरोना के संक्रमण की रोकथाम के लिये रोको-टोको अभियान प्रारंभ किया गया है। इस अभियान के तहत सभी लोगों को मास्क पहनने, दो गज दूरी बनाए रखने और अपने हाथों को नियमित सेनेटाइज करने के लिये जन जागृति का कार्य किया जा रहा है। क्षेत्रीय सांसद श्री विवेक नारायण शेजवलकर ने भी इस अभियान में सहभागी बनने तथा मास्क अवश्य पहनने की अपील आम जनों से की है। उन्होंने कहा है कि जब तक बहुत जरूरी न हो, घर से न निकलें। आवश्यकता

होने पर घर से निकलते समय मास्क अवश्य पहनें और दो गज की दूरी बनाएँ। भीड़भाड़ वाले स्थानों पर जाने से बचें। स्वयं भी सावधान रहें और लोगों को भी सावधान रहने के लिये प्रेरित करें। क्षेत्रीय सांसद श्री विवेक नारायण शेजवलकर ने अपनी अपील में यह भी कहा है कि देश के प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने भी आम जनों से अपील की है कि कोरोना की जंग जीतने के लिये हम बिल्कुल निकट पर हैं। ऐसे समय में किसी भी प्रकार की लापरवाही देशवासियों को नहीं करना चाहिए। प्रधानमंत्री की अपील का भी हम सबको पालन करना चाहिए। अपने आप को और अपने परिवार को बचाने के लिये कोरोना के प्रति सावधानी अवश्य बरतना चाहिए। उन्होंने सभी जन प्रतिनिधियों और समाजसेवियों से भी अपील की है कि वे इस पुनीत अभियान में सहभागी बनें और अपने कार्य क्षेत्र में लोगों को जागरूक करने का कार्य भी करें।

जिला पंचायत की प्रशासकीय समिति की बैठक 28 नवम्बर को

ग्वालियर। जिला पंचायत की प्रशासकीय समिति की बैठक 28 नवम्बर को बुलाई गई है। इस दिन यह बैठक दोपहर 2 बजे प्रशासकीय समिति की अध्यक्ष श्रीमती मनीषा भुजवल सिंह यादव की अध्यक्षता में जिला पंचायत के सभागार में होगी। जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री शिवम वर्मा ने बताया कि बैठक में स्वास्थ्य, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी, विद्युत, खनिज, शिक्षा एवं कृषि विभाग इत्यादि की समीक्षा की जायेगी।

बच्चों को सिर्फ कागजी पढ़ाई की शिक्षा न दें बल्कि धर्म व संस्कारों की भी शिक्षा दें: शास्त्री

जैन समाज ने सिद्धचक्र महामंडल विधान में प्रभु की आराधना कर 128 अर्घ्य समर्पित किए

ग्वालियर-बच्चे गीली मिट्टी के समान होते हैं, जिस आकार में ढाल दो, उसी आकार में ढल जाएंगे। बच्चों को अगर सही दिशा मिल जाए तो वही बच्चे आने वाले समय में भगवान महावीर, श्रीराम बन सकते हैं और

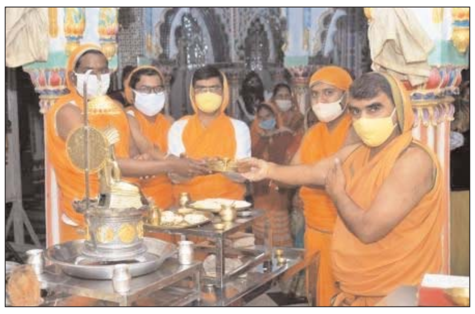

अगर भटक जाएं तो रावण बनने में भी देर नहीं लगती। बिना शिक्षा के जीवन का कोई महत्व नही होता। बच्चे मां बाप के सपने होते हैं और गौरव होते हैं। मां बाप मजदूरी करके अपने बच्चों को पढ़ाते लिखाते हैं कि हमारा बच्चा आगे चल कर योग्य बने, धर्म सस्कृति और देश मे नाम रोशन करे। अपने मां बाप के सपनों को तोड़ना नहीं चाहिए। शिक्षक भी बच्चों को सिर्फ कागजी पढ़ाई की शिक्षा न दें बल्कि धर्म व संस्कारों की भी शिक्षा दें। यह बात उपग्वालियर लोहमंडी लाला गोकुलचंद जैन मदिंर में अयोजित सिद्धचक्र महामंडल विधान के आज पॉचवें दिन गुरूवार को प्रतिष्ठाचार्य शशिकांत शास्त्री ने धर्मसभा में संबोधित करते हुए कही। शास्त्री ने कहा कि धर्म गुरुओं द्वारा दी गई धर्मिका संस्कारो की शिक्षा बच्चों के भविष्य में बहुत काम आती है। इंसान को एक अच्छा व्यक्ति बनने के लिए हजारों गुण चाहिए होते हैं, लेकिन भविष्य बिगाड़ने के लिए एक अवगुण ही काफी है। इस मौके पर मंदिर समिति के अध्यक्ष पदमचंद जैन, महामंत्री देवेंद्र जैन, दिलीप जैन, नवरंग जैन, अभिलाष जैन, राहुल जैन, अलोक जैन, प्रवक्ता सचिन जैन आदि मौजूद थे। रिद्धि मंत्रों से बृहद शांतिधारा कराई, इंद्रो ने आरती उतारी-जैन समाज के प्रवक्ता सचिन जैन ने बताया कि सोशल डिस्टेसिंग व माक्स पहनकार सिद्धचक्र महामंडल विधान प्रतिष्ठाचार्य शशिकांत शास्त्री ने मंत्रउच्चारण के साथ सौधर्म इंद्रा पदमचंद जैन सहित इंद्रो ने चारों ओर से जिनेंद्र देव के ऊपर अभिषेक जयकारों के साथ किया। रिद्धि मंत्रों ने बृहद शांतिधारा राजेश कुमार पदम कुमार मनोज जैन परिवार करने का सौभाग्य मिला। अभिषेक के उपरांत भगवान की महाआरती इंद्रो संगीतमय भक्ति में की। संगीतकार शुभम जैन सैमी के भजनो पर भावविभोर होकर भक्ति नृत्य किया।

11 आदतन अपराधी जिला बदर एवं 3 अपराधियों को देना होगा बंध पत्र

ग्वालियर। जिला दण्डाधिकारी श्री कौशलेन्द्र विक्रम सिंह ने 11 आदतन अपराधियों को मध्यप्रदेश राज्य सुरक्षा अधिनियम 1990 के अंतर्गत जिला बदर करने के आदेश जारी किए हैं। साथ ही 3 आदतन आरोपियों को पुलिस थानों में बंध पत्र प्रस्तुत करने के आदेश दिए गए हैं। पुलिस अधीक्षक ग्वालियर से प्राप्त प्रतिवेदन के आधार पर लोक शांति एवं जन सुरक्षा को देखते हुए जिला बदर करने के आदेश जारी किए गए हैं।

जिला दण्डाधिकारी श्री कौशलेन्द्र विक्रम सिंह ने जिन अपराधियों के विरूद्ध जिला बदर के आदेश पारित किए हैं उनमें धर्मेन्द्र चौहान पुत्र राजबहादुर सिंह निवासी हनुमान टॉकीज के पास थाना माधौगंज, गजेन्द्र गुर्जर पुत्र मुंशी सिंह गुर्जर निवासी वायुनगर थाना क्षेत्र महाराजपुरा, डब्बू उर्फ पवन बघेल पुत्र त्रिलोक सिंह निवासी भितरवार, मोनू खाँ पुत्र साबू खाँ निवासी ग्राम लखमीपुर थाना महाराजपुरा, बल्लू उर्फ बल्ली उर्फ बलवीर रावत पुत्र जगदीश सिंह रावत निवासी ग्राम घाटखिरिया भितरवार, अमर सिंह पंजाबी पुत्र बल्लू उर्फ जसवीर पंजाबी निवासी सेवानगर ग्वालियर, जीतू उर्फ जितेन्द्र सिंह पुत्र रामचित्र गुर्जर निवासी आदर्श नगर पिंटो पार्क, रामचित्र पिता लालाराम गुर्जर निवासी आदर्श नगर पिंटो पार्क, हनुमत रावत पुत्र जगदीश सिंह रावत ग्राम घाटखिरिया भितरवार, अनिल पाल पुत्र भगवानदास पाल निवासी हुरावली एवं वीरू उर्फ वीरेन्द्र पुत्र रामचित्र गुर्जर निवासी आदर्श नगर पिंटो पार्क जिला ग्वालियर शामिल हैं। इसके अतिरिक्त नेहरू उर्फ संतोष पुत्र भैयालाल बाल्मीक निवासी गेंडेवाली सड़क, विक्रम उर्फ मनोज जाट पुत्र गोविंद जाट निवासी ग्राम टिहौली थाना क्षेत्र उटीला एवं मदारा उर्फ शहजाद पुत्र रसीद खाँ निवासी मेवाती मोहल्ला घासमंडी को तीन दिन के अंदर अपने संबंधित थानों में 50 - 50 हजार रूपए का बंध पत्र प्रस्तुत करने के आदेश दिए गए हैं।

राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार श्री कुशवाह आज विकास कार्यों की समीक्षा करेंगे कलेक्ट्रेट के सभागार में होगी बैठक

ग्वालियर। प्रदेश के उद्यानिकी व खाद्य प्रसंस्करण राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) एवं नर्मदा घाटी विकास राज्य मंत्री श्री भारत सिंह कुशवाह 27 नवम्बर को विभिन्न विभागों के अधिकारियों की बैठक लेकर विकास कार्यों की समीक्षा करेंगे। इस दिन यह बैठक प्रातः 11 बजे कलेक्ट्रेट के सभागार में होगी। खासतौर पर विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र ग्वालियर ग्रामीण के अंतर्गत चल रहे विकास कार्यों की समीक्षा उद्यानिकी मंत्री श्री कुशवाह द्वारा की जायेगी। ग्वालियर नगर निगम क्षेत्र के वार्ड क्रमांक-61 से 66 तथा छावनी परिषद क्षेत्र में चल रहे विकास कार्यों की समीक्षा भी बैठक में होगी। साथ ही उद्यानिकी एवं खाद्य प्रसंस्करण विभाग के लक्ष्यों की पूर्ति, स्वास्थ्य, लोक निर्माण, हरसी हाईलेवल सिंचाई परियोजना, खरीफ फसल के खरीदी केन्द्र, प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि व मुख्यमंत्री किसान कल्याण योजना इत्यादि विषयों की भी बैठक में समीक्षा की जायेगी।

विधायक डॉ. सिकरवार की पहल पर छात्राओं के लिए खुला छात्रावास

ग्वालियर। ग्वालियर पूर्व विधानसभा क्षेत्र से कॉग्रेस विधायक डॉ. सतीष सिंह सिकरवार की पहल पर थाठीपुर स्थित एस.सी.-एस.टी. छात्राओं के लिए पोस्ट मैट्रिक अनुसूचित जाति एवं जनजाति कन्या छात्रावास थाठीपुर ग्वालियर को पांच दिन के लिए खोल दिया गया है। कोविड-19 के चलते आठ माह से छात्रावास बंद है, अब परीक्षाएं पूरी होने तक छात्रावास खुला रहेगा। यहां बता दें कि इस छात्रावास की करीब 35-40 छात्रायें आज दोपहर ललितपुर कॉलानी स्थित विधायक कार्यालय पर पहुँची और विधायक डॉ. सिकरवार से छात्रावास खुलवाने के लिए एक ज्ञापन दिया, जिसमें कहा गया कि हम सब छात्राओं की परीक्षाएं चल रही है। हम सब हॉस्टल के बंद होने पर किराए से कमरा लेने में सक्षम नही है। परीक्षा देने के लिए दूर-दराज के गॉवों से ग्वालियर आना पड़ता है। इस कारण पढ़ाई में दिक्कत हो रही है इसलिए छात्रावास खुलवाया जाए। विधायक डॉ. सिकरवार ने छात्राओं के आवेदन पर तत्काल कलेक्टर कौषलेन्द्र विक्रम सिंह से बात की और छात्राओं की परेशानी से अवगत कराया। कलेक्टर ने विधायक डॉ. सिकरवार की बात सुनी और आष्वासन दिया की छात्राओं के लिए हॉस्टल खोला जाएगा। कलेक्टर कौषलेन्द्र विक्रम सिंह ने तत्काल महिला बाल विकास अधिकारी राजीव सिंह जिला ग्वालियर को निर्देष दिया कि छात्राओं के लिए तत्काल हॉस्टल खोला जाए। इस निर्देष के पालन में 5 दिन के लिए हॉस्टल खोल दिया गया और उक्त दिनों के लिए भोजन आदि की सभी व्यवस्थाएं विभाग द्वारा की जाएगी। छात्राओं ने समस्या हल होने पर विधायक के प्रति आभार जताया। यहां यह भी उल्लेखनीय है कि विधायक डॉ. सिकरवार ने सभी छात्राओं को अपने कार्यालय पर भोजन भी कराया।

अल्पसंख्यक वर्ग के विद्यार्थी 30 नवम्बर तक कर सकेंगे छात्रवृत्ति के आवेदन

ग्वालियर। शैक्षणिक सत्र 2020-21 में अल्पसंख्यक वर्ग के विद्यार्थियों के लिए अल्पसंख्यक प्री मैट्रिक, पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति, मेरिट कम मीन्स छात्रवृत्ति योजनाओं के अंतर्गत भारत सरकार के पोर्टल पर ऑनलाईन आवेदन करने की अंतिम तिथि 30 नवम्बर 2020 तक बढायी गयी है। जिन विद्यार्थियों द्वारा छात्रवृत्ति के आवेदन ऑनलाईन अभी तक नहीं भरे गये है, उनके द्वारा इस अवधि में अनिवार्य रूप से आवेदन नियमानुसार एवं पात्रतानुसार किए जा सकते है।

राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार श्री कुशवाह आज विकास कार्यों की समीक्षा करेंगे कलेक्ट्रेट के सभागार में होगी बैठक

ग्वालियर। प्रदेश के उद्यानिकी व खाद्य प्रसंस्करण राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) एवं नर्मदा घाटी विकास राज्य मंत्री श्री भारत सिंह कुशवाह 27 नवम्बर को विभिन्न विभागों के अधिकारियों की बैठक लेकर विकास कार्यों की समीक्षा करेंगे। इस दिन यह बैठक प्रातः 11 बजे कलेक्ट्रेट के सभागार में होगी। खासतौर पर विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र ग्वालियर ग्रामीण के अंतर्गत चल रहे विकास कार्यों की समीक्षा उद्यानिकी मंत्री श्री कुशवाह द्वारा की जायेगी। ग्वालियर नगर निगम क्षेत्र के वार्ड क्रमांक-61 से 66 तथा छावनी परिषद क्षेत्र में चल रहे विकास कार्यों की समीक्षा भी बैठक में होगी। साथ ही उद्यानिकी एवं खाद्य प्रसंस्करण विभाग के लक्ष्यों की पूर्ति, स्वास्थ्य, लोक निर्माण, हरसी हाईलेवल सिंचाई परियोजना, खरीफ फसल के खरीदी केन्द्र, प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि व मुख्यमंत्री किसान कल्याण योजना इत्यादि विषयों की भी बैठक में समीक्षा की जायेगी।

विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण 2021 के लिये आवेदन की प्रक्रिया हुई शुरू

ग्वालियर। भारत निर्वाचन आयोग द्वारा फोटोयुक्त निर्वाचक नामावली के विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण 2021 का कार्य प्रारम्भ कर दिया गया है। इसके तहत 25 नवम्बर, 2020 से 24 दिसम्बर, 2020 तक दावे-आपत्ति ली जायेंगी। इसके लिये नागरिकों की 1 जनवरी, 2021 की स्थिति में आयु 18 वर्ष पूर्ण होने जा रही है वे अपना नाम निर्वाचक नामावली में शामिल करा सकते हैं। दावे-आपत्ति प्राप्त करने के लिये अवकाश दिवसों मे 12 दिसम्बर (शनिवार),13 दिसम्बर (रविवार), 19 दिसम्बर (शनिवार) एवं 20 दिसम्बर (रविवार) को विशेष कैम्प लगेंगे।

ऑन-लाइन भी कर सकेंगे आवेदन-विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम के तहत् वोटर पोर्टल पर अपनी अपनी लॉगइन आईडी बनाकर ऑनलाईन की प्रक्रिया प्रारंभ कर सकते है। एप्लाई ऑन लाईन पर क्लिक करें और फार्म 6 में अपना नाम एवं पता भरकर अपने नाम को पंजीकृत करवाएं फोटो, पता और आयु के प्रमाण के साथ आवेदन को अपलोड करना होगा। यदि निर्वाचक नामावली की प्रविष्टियों में कोई संशोधन या सुधार करने की जरूरत हो तो निर्वाचक नामावलियों की प्रविष्टियों में सुधार करने पर क्लिक करके फार्म 8 भरना होगा। प्रवासी मतदाता रजिस्ट्रेशन के लिए ऑनलाईन फार्म 6। में आवेदन कर सकते है।

ऑफ-लाइन भी कर सकेंगे आवेदन-विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम के तहत् सभी प्रकार के फार्म निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी (ईआरओ) और बूथ लेवल अधिकारी (बीएलओ) के पास उपलब्ध है या फार्म वेबसाईट से भी डाउनलोड कर सकते है। संबंधित फार्म भरकर एवं फोटो, पता और आयु के प्रमाण के साथ आवेदन प्रस्तुत करें। फार्म, दावे, आपत्ति प्रस्तुत करने की अवधि 25 नवम्बर से 24 दिसम्बर 2020 तक है। फार्म बीएलओ के पास जमा किए जा सकते है। मतदाता सुविधा केन्द्र तहसील कार्यालय में भी भरे जा सकते है।

कौन-कौन कर सकता है आवेदन-भारतीय नागरिक, 1 जनवरी 2021 को या उसके पहले 18 साल आयु होने पर, मतदान क्षेत्र के साधारण निवासी। ऐसे व्यक्ति जो विकृतचित है एवं जिनके ऐसा होने की सक्षम न्यायालय की घोषणा विद्यमान है, को छोड़कर या निर्वाचनों से संबंधित विनिर्दिष्ट भ्रष्ट आचरण या अपराधों के कारण मतदान से निरर्हित घोषित नहीं किए गए व्यक्ति ही आवेदन कर सकते है।

GPS BASED VEHICLE TRACKING SYSTEM & MANAGEMENT FROM W2TRACK SOLUTIONS
Please call us for demo/order: +91 9827270016/7738373527/7738373526
जीपीएस आधारित वाहन ट्रैकिंग और वाहन प्रबंधन प्रणाली - अपने परिवहन प्रणाली को अधिक उत्पादक, सुरक्षित और उपयोगकर्ता के अनुकूल बनाएं।
W2TRACK
✓GPS based Track, Monitor & Analyze your vehicles in real-time
✓Digital records of all your fleet operations at Central place
✓Optimise your Routes, Scheduling and Dispatch
✓Improve Driver Behaviour, remotely immobilize vehicle etc.
✓Improve productivity, efficiency & safety
✓Manage fleet expenses & reduce operational cost (ROI)
✓Power Your Fleets with Latest AIS 140 GPS Devices
Website & Mobile based Application/Software
₹2999
Basic GPS Based Fleet Monitoring System with Advanced Reporting
RTO Approved INTEGRATED AIS 140 GPS Device (ARAI/ICAT Approved)
PUBLIC TRANSPORT VEHICLES
-SCHOOL BUSES
-TAXI/CABS
-TRANSIT BUSES
-INTERCITY BUSES
COMMERCIAL VEHICLES
SABA TECHNOSOFT
Deliver The Best, Performance Assured
www.w2track.com
₹5999

छोटा विज्ञापन बड़ा लाभ
पुष्पांजली टुडे
क्लासिफाइड्स में प्रति दिन प्रकाशित होने वाले विज्ञापन की बुकिंग सुबह 10 बजे से सांय 6 बजे तक
डिस्प्ले क्लासिफाइड 25/ रु Sq.Cm.
(Min. size 5×9)
कोर्ट नोटिस / आम सूचना साइज
12×5 - 2000 रु
निःशुल्क
बच्चों के बर्थडे एवं शादी की सालगिरह श्रद्धांजलि शोक संदेश उठावनी
संपर्क सूत्र : 8269307478,7999246560

P TV NEWS INDIA
प्रतिभा हम निखारेंगे
PUSHPANJALI TODAY न्यूज़ नई सोच नई पहल
अगर आपके अंदर है कोई जज्बा तो उभर कर आइये आगे आपकी लिखी हुई कहानी, लेख, कविताओं को हम देंगे जगह आपके अंदर की प्रतिभा को हम उभारेंगे।
तो देर किस बात की हमे भेजें अपनी कविता, लेख, कहानियां फिर देश की आर्थिक स्थिति या फिर स्वच्छता के ऊपर अपने विचार
आप हमें व्हाट्सप या मेल भी कर सकते हैं
हमारा उद्देश्य भारत में छिपी प्रतिभाओं को बाहर निकालना।
Whatsapp :- 9425665944,7999246560, 9691270207
gmail - pushpanjalitoday@gmail.com
नोट - व्हाट्सएप या मेल करते समय ध्यान रखे भेजने वाला व्यक्ति अपनी फोटो ओर नाम/ पता / अवश्य भेंजे

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक, एवं संपादक भरत सिंह चौहान। पुष्पांजली प्रिंटर्स गोवर्धन कॉलोनी, भिण्ड रोड, गोला का मंदिर, जिला ग्वालियर (म.प्र.) से मुद्रित एवं दीपू इलेक्ट्रोनिक्स, पंजीयन क्रमांक/ एम.पी.एच.आई.एन. /31130 निगर हनुमान मंदिर, गोवर्धन कॉलोनी, भिण्ड रोड, गोला का मंदिर, ग्वालियर (म.प्र.) से प्रकाशित। सम्पादक - भरत सिंह चौहान E-mail : pushpanjalitoday17@gmail.com 0751-4901333, M.: 8269307478